कमल संदेश

अमेरिका को भारत से प्रेम : डोनाल्ड ट्रंप

वर्ष-14, अंक-19 01-15 अक्टूबर, 2019 (पाक्षिक) ₹20

हाउडी मोदी, ह्यूस्टन

'हमारा लक्ष्य ऊंचा है, हमारी उपलब्धि और भी ऊंची है'

नई दिल्ली स्थित भाजपा केंद्रीय मुख्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और साथ में भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा व अन्य

नई दिल्ली स्थित भाजपा केंद्रीय मुख्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और साथ में भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

जामताड़ा (झारखंड) में भाजपा 'जन-आशीर्वाद यात्रा' का शुभारंभ करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह व अन्य वरिष्ठ नेतागण

बहादुरगढ़ (हरियाणा) में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 69वें जन्मदिन पर वृक्षारोपण करते भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

पटना (बिहार) में अनुच्छेद 370 व 35ए के निरस्त होने पर 'जन-जागरण सभा' को संबोधित करते केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

नागपुर (महाराष्ट्र) में 'विजय संकल्प रैली' का उद्घाटन करते भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और साथ में केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी व अन्य

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सहायक संपादक
संजीव कुमार सिन्हा

संपादक मंडल सदस्य
सत्यपाल
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
मुकेश कुमार

संपर्क
फोन: +91(11) 23381428

फैक्स
फैक्स: +91(11) 23387887

ई-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com

वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 आज भारत दृढ़ संकल्पित है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 22 सितंबर को टेक्सास के ह्यूस्टन में एनआरजी स्टेडियम में आयोजित 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम में पचास हजार से अधिक लोगों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री के साथ इस कार्यक्रम में संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड जे ट्रम्प भी शामिल हुए। इस विशाल सभा को...

वैचारिकी

हमारे यहां ग्राम पंचायतें स्वतंत्र तथा स्वयंभू इकाइयां रही हैं 23

श्रद्धांजलि

जेटली सर्वमित्र व सर्वप्रिय थे: नरेन्द्र मोदी 25

लेख

'मोदी-मोदी' अब यह सिर्फ भारत का स्वर नहीं, वैश्विक स्वर 26

अन्य

भारत तेज गति से विकास के पथ पर अग्रसर है : जगत प्रकाश नड्डा 18

व्यापारियों और स्वरोजगार व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन योजना की शुरुआत 21

हमारी भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई की प्रतिबद्धता अटल है: नरेन्द्र मोदी 28

राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण और राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम का शुभारंभ 30

बेहतर संबंधों के लिए दोनों देशों की संवेदनशीलता और आकांक्षाओं का सम्मान जरुरी 31

राजनाथ सिंह हल्के लड़ाकू विमान 'तेजस' में उड़ान भरने वाले पहले रक्षामंत्री बने 32

भारत 2030 तक 26 मिलियन हेक्टेयर डीग्रेडेड भूमि को ठीक करेगा: नरेन्द्र मोदी 33

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एक करोड़ लाभार्थियों तक पहुंची 34

12 भाजपा मुख्यालय में प्रदर्शनी का उद्घाटन

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस (17 सितंबर) के अवसर पर 14 से 20 सितंबर तक पूरे देश में...

15 राज्य में भ्रष्टाचारविहीन और विकास से परिपूर्ण शासन दिया है भाजपा ने: अमित शाह

केन्द्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 22 सितंबर...

20 घरेलू कंपनियों के लिए कॉर्पोरेट कर घटकर 22% और नई घरेलू विनिर्माण कंपनियों के लिए 15% हुआ

आर्थिक वृद्धि तेज करने तथा निवेश एवं रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिये भाजपानीत केंद्र...

22 दक्षिण एशिया की पहली सीमा पार पेट्रोलियम पाइपलाइन परियोजना रिकॉर्ड समय में पूरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और नेपाल के उनके...

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, बी-2, सेक्टर-63, नोएडा (उ.प्र.)-201307 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

twitter

@narendramodi

आज भारत का सबसे चर्चित शब्द है- विकास। आज भारत का सबसे बड़ा मंत्र है- सबका साथ-सबका विकास। आज भारत की सबसे बड़ी नीति है- जनभागीदारी। आज भारत का सबसे प्रचलित नारा है- संकल्प से सिद्धि। आज भारत का सबसे बड़ा संकल्प है- न्यू इंडिया।

@AmitShah

'आयुष्मान भारत' मात्र एक योजना भर नहीं यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का 50 करोड़ गरीब लोगों को स्वस्थ जीवन और उन्हें इलाज के खर्चे के बोझ से मुक्त कर एक सम्मानपूर्वक जीवन देने का संकल्प है। मात्र एक वर्ष में इससे 47 लाख गरीबों का मुफ्त उपचार हुआ है।

@JPNadda

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और श्रीमती निर्मला सीतारमण ने टैक्स में वो छूट दी है जो पहले कभी नहीं मिली। करीब 1.45 लाख करोड़ की टैक्स छूट दी गई है। जब दुनिया में आर्थिक मंदी की आहट है तब मोदीजी में ही ऐसी इच्छाशक्ति है कि वो 1.45 लाख करोड़ रुपये की टैक्स छूट दे सकते हैं।

facebook

हमने नवीनतम कानून बनाया जिसके अन्तर्गत दिव्यांगों की श्रेणी 7 से बढ़ाकर 21 की गई और 3% आरक्षण से 4% किया गया। दिव्यांगों को नए यूनिवर्सल कार्ड मुहैया करवाने की प्रक्रिया आरंभ की गई, जिससे लाभार्थी भारत के किसी भी संस्थान से लाभ प्राप्त कर सकेगा।

— **थावरचंद गहलोत**

हम अन्नदाता की हर समस्या के साथ खड़े हैं। हरियाणा एक ऐसा राज्य है जिसने सरसों व बाजरा की फसलों का एक-एक दाना खरीदा है। हमने यह सुनिश्चित किया कि किसानों को उनकी फसलों का पूरा दाम मिले।

— **मनोहर लाल**

2 नए एम्स और 15 नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना से प्रदेश सरकार स्वास्थ्य शिक्षा में आमूलचूल परिवर्तन ला रही है। साथ ही प्रदेश के गरीब परिवारों को "आयुष्मान भारत" तथा "मुख्यमंत्री जन आरोग्य" योजनाओं के अंतर्गत बीमा दिया जा रहा है।

— **योगी आदित्यनाथ**

अब विश्व पटल पर भारत की धमक

जिस भव्यता के साथ ह्यूस्टन में 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम संपन्न हुआ, उसे अद्भुत एवं अकल्पनीय ही कहा जा सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का अप्रवासी भारतीयों द्वारा भारी संख्या में जबरदस्त उत्साह से किया गया स्वागत एवं अभिनंदन विश्व के रंगमंच पर उभरते एक नये भारत की दस्तक है। 'मोदी–मोदी' के नारों के बीच रोमांचपूर्ण वातावरण की धमक से वहां उपस्थित अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प भी अछूते नहीं रह सके। विश्व के दो महान लोकतंत्र के शीर्ष नेतृत्व एक ओर जहां अपने दायित्वों के प्रति सजगता का परिचय दे रहे थे, वहीं वे विश्व के शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं समृद्ध भविष्य का आश्वासन भी दे रहे थे। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के भाषण से स्टेडियम में उपस्थित 50,000 से भी अधिक लोग जोश एवं उत्साह से सराबोर थे। उन्हें लग रहा था कि उनके सपनों का भारत अब तैयार हो रहा है तथा श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई एवं दूरदर्शी नेतृत्व में असंभव सा लगने वाला हर स्वप्न अब संभव हो सकता है। यह ऐसा अवसर था जिसने इतिहास के पन्नों में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है। अब किसी को रत्ती भर भी संदेह नहीं कि एक आत्मविश्वास से परिपूर्ण, दृढ़ निश्चयी एवं सुदृढ़ भारत का उदय हो चुका है। भारत की धमक अब विश्व पटल पर सुनाई देने लगी है।

'हाउडी मोदी' की जबरदस्त सफलता वहां उपस्थित भारी संख्या एवं जोश एवं उत्साह से पैदा हुए रोमांच से केवल नहीं आंका जा सकता, बल्कि इस कार्यक्रम से निकले व्यापक संदेश से आंका जाएगा, जो देश–विदेश में गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा पूरे कार्यक्रम में भागीदारी करना तथा 'अतिवादी इस्लामी आतंकवाद' से लड़ाई जारी रखने की दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाने का स्वागत कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह द्वारा तालियों की गड़गड़ाहट से किया गया। उन्होंने सीमा विवाद का भी जिक्र किया जो भारत के दृष्टि से महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका पर हुए 9/11 आतंकी हमला तथा भारत पर हुए 26/11 आतंकी हमले का उल्लेख करते हुए आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई के भारत के संकल्प को दोहराया। धारा 370 एवं 35ए के निरस्तिकरण का उल्लेख जब श्री नरेन्द्र मोदी ने किया, तब बहुत देर तक तालियों की गड़गड़ाहट एवं नारों से उपस्थित जनसमूह ने भरपूर समर्थन प्रदर्शित किया तथा पूरे देश का हौसला बढ़ाया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि धारा 370 को 'अलविदा' कहने का मुख्य कारण जम्मू एवं कश्मीर की जनता को शेष भारत के समान अधिकार प्रदान करने का रहा है। विशाल जनसमूह जिसमें मुख्यतः अप्रवासी भारतीय थे, उन्होंने भारत के उन सांसदों का भी जोरदार तालियों की गड़गड़ाहट से अभिनंदन किया जिन्होंने इस निर्णय को दो–तिहाई से भी अधिक बहुमत से पारित करने में अपनी ऐतिहासिक भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री ने यह भी अपील किया कि राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई के प्रति उनके संकल्प का अभिनंदन किया जाय। फलस्वरूप भारी तालियों की गड़गड़ाहट से उपस्थित जनसमूह ने राष्ट्रपति ट्रम्प के इस संकल्प का स्वागत एवं समर्थन किया। पूरा वातावरण उत्साह एवं रोमांच से सराबोर था। हर अप्रवासी भारतीय के मन में अपनी मातृभूमि के प्रति प्रेम की भावना करवटें ले रही थीं, भारी जनसमूह भारत के स्वर्णिम भविष्य के लिए अपने व्यापक समर्थन को अभिव्यक्त कर रहा था।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि विश्व के दो महान लोकतंत्र, भारत एवं अमेरिका के कई विषयों पर साथ आने से विश्व में शांति, सौहार्द, सहयोग, समृद्धि एवं लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी। 'हाउडी मोदी' ने भविष्य के लिए आशा एवं विश्वास का वातावरण तैयार किया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उपस्थित जनसमूह को भारत के स्वर्णिम भविष्य के लिए आश्वस्त किया। आज भारत सरकार के पास चुनौतियों को अवसर में बदलने की क्षमता है तथा संकल्प से सिद्धि तक की यात्रा करने का दृढ़ संकल्प है। यह आश्वस्त करते हुए कि भारत में सब ठीक है, उन्होंने अनेक अभिनव योजनाओं एवं पहलों को निरंतर बजते तालियों के बीच सबके समक्ष रखा। भारत के प्रति अपनी दृष्टि को रखते हुए उन्होंने अपने प्रेरणादायी संबोधन से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके प्रयासों में से एक प्रयास था आतंकवाद को विश्व के एजेंडे में लाना और आज वे इसमें पूरी तरह से सफल हुए हैं। पाकिस्तान विश्व में अलग–थलग पड़ चुका है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि विश्व के दो महान लोकतंत्र, भारत एवं अमेरिका के कई विषयों पर साथ आने से विश्व में शांति, सौहार्द, सहयोग, समृद्धि एवं लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी। 'हाउडी मोदी' ने भविष्य के लिए आशा एवं विश्वास का वातावरण तैयार किया है। ■

shivshakti@kamalsandesh.org

आज भारत दृढ़ संक

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 22 सितंबर को टेक्सास के ह्यूस्टन में एनआरजी स्टेडियम में आयोजित 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम में पचास हजार से अधिक लोगों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री के साथ इस कार्यक्रम में संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड जे ट्रम्प भी शामिल हुए।

इस विशाल सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ह्यूस्टन में एक नया इतिहास और एक नया समन्वय बनता जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, "डोनाल्ड ट्रम्प और भारत की प्रगति के बारे में बात करने वाले सीनेटरों की उपस्थिति 1.3 बिलियन भारतीयों की उपलब्धि का सम्मान है।" उन्होंने कहा कि स्टेडियम में उपस्थित जन-समूह की ऊर्जा भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच बढ़ते तालमेल को दर्शा रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि इस कार्यक्रम का नाम 'हाउडी मोदी' है, लेकिन मोदी अकेले कुछ नहीं हैं। मैं भारत में 130 करोड़ लोगों की इच्छाओं के लिए काम करने वाला व्यक्ति हूं। इसलिए जब आप पूछते हैं- हाउडी मोदी, मैं कहूंगा कि भारत में सब ठीक है। कई भारतीय भाषाओं में "सब कुछ ठीक है" कहते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि विविधता में एकता हमारे जीवंत लोकतंत्र की ताकत है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत दृढ़ संकल्पित है और एक नया भारत बनाने के लिए कड़ी मेहनत भी कर रहा है। उन्होंने कहा कि एक नए और बेहतर भारत के निर्माण के लिए कठिन प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, 'भारत चुनौतियों का सामना नहीं कर रहा है, बल्कि हम उन्हें आगे ले जा रहे हैं। भारत सिर्फ आगे बढ़ने के परिवर्तनों के लिए ही नहीं काम कर रहा है, हम उसके स्थायी समाधान और असंभव को संभव बनाने पर काम कर रहे हैं।"

पिछले पांच वर्षों में एनडीए सरकार की उपलब्धियों पर बात करते हुए श्री मोदी ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में 130 करोड़ भारतीयों ने ऐसी चीजें हासिल की हैं जिनकी कल्पना कोई भी नहीं कर सकता था। हमारा लक्ष्य ऊंचा, हमारी उपलब्धि और भी ऊंची है।

उन्होंने अपनी सरकार द्वारा घरेलू गैस कनेक्शन प्रदान करने, ग्रामीण स्वच्छता में सुधार लाने, ग्रामीण सड़क हेतु बुनियादी ढांचे का निर्माण करने, बैंक खाते खोलने इत्यादि के बारे में की गई परिवर्तनकारी कार्रवाई का भी उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने 'ईज ऑफ लिविंग' और 'ईज ऑफ बिजनेस' के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को भी दोहराया। उन्होंने 'ईज ऑफ लिविंग' सुनिश्चित करने के लिए अपनी सरकार द्वारा किए गए विभिन्न पहलों जैसे अप्रचलित कानूनों को हटाना, सेवाओं मे तेजी, सस्ते डेटा दर, भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई, जीएसटी आदि को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का विकास प्रत्येक भारतीय तक पहुंचेगा।

अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बारे में बोलते हुए प्रधानमंत्री ने उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहा कि इस तरह की निर्णायक कड़ी

लिप्त है: नरेन्द्र मोदी

ऐतिहासिक 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम के बाद ट्रंप ने कहा, अमेरिका को भारत से प्रेम

राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रंप ने ह्यूस्टन के एनआरजी स्टेडियम में 22 सितंबर को संपन्न हुए बहुप्रतीक्षित "हाउडी, मोदी" कार्यक्रम के बाद 50,000 भारतीय-अमेरिकियों के प्रति अपना आभार प्रकट करते हुए कहा कि अमेरिका को भारत से प्रेम है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और श्री ट्रंप के आगमन पर लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया।

श्री ट्रंप और श्री मोदी ने एक-दूसरे को गले लगाया और वे इस ऐतिहासिक अवसर का उत्सुकता से इंतजार कर रहे समूह का हाथ हिला कर अभिवादन करते हुए मंच की तरफ बढ़े। यह पहली बार था जब श्री ट्रंप और श्री मोदी ने साथ मंच साझा किया और रिकॉर्ड 50,000 भारतीय-अमेरिकियों को संबोधित किया। ट्रंप ने एक ट्वीट किया, "अमेरिका भारत से प्रेम करता है।" उन्होंने ह्यूस्टन में एनआरजी स्टेडियम के जोशपूर्ण माहौल को "अद्भुत" बताया।

प्रधानमंत्री ने ग्लोबल गोलकीपर गोल्स अवार्ड 2019 से उन्हें सम्मानित करने के लिए बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन को धन्यवाद दिया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन को ग्लोबल गोलकीपर गोल्स अवार्ड 2019 से उन्हें सम्मानित करने के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में भारत ने स्वच्छता और स्वच्छता में सुधार लाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं, जो गांधी जी के एक स्वच्छ भारत के स्वप्न को पूर्ण करता है।

अमेरिका से सालाना 50 लाख टन एलएनजी का आयात करेगी पेट्रोनेट, अमेरिकी कंपनी से करार

अमेरिका की प्राकृतिक गैस कंपनी टेल्यूरियन इंक और भारत की पेट्रोनेट एलएनजी कंपनी लि. (पीएलएल) ने एक सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत पीएलएल और उसकी सहायक इकाइयां अमेरिका से सालाना 50 लाख टन तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का आयात करेंगी। दोनों कंपनियों ने 21 सितंबर को इसकी घोषणा की। यह सौदा करीब 2.50 अरब डॉलर का है। दोनों कंपनियों का इरादा इस करार को 31 मार्च, 2020 तक अंतिम रूप देने का है।

यह घोषणा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 21 सितंबर को अमेरिका की शीर्ष पेट्रोलियम कंपनियों के मुख्य कार्यकारियों (सीईओ) के साथ ह्यूस्टन में हुई बैठक के बाद की गई। टेल्यूरियन ने बयान में कहा कि एमओयू पर दस्तखत प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में किए गए।

टेल्यूरियन के अध्यक्ष एवं सीईओ मेग जेंटल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में इस एमओयू पर दस्तखत सम्मान की बात है। हम पेट्रोनेट के साथ ड्रिफ्टवुड परियोजना में एक लंबी और समृद्ध भागीदारी की उम्मीद कर रहे हैं।

पेट्रोनेट भारत की सबसे बड़ी एलएनजी आयातक है। इस करार से वह ड्रिफ्टवुड से स्वच्छ तथा कम लागत वाली बेहतर प्राकृतिक गैस की भारत में आपूर्ति कर सकेगी। जेंटल ने कहा कि भारत में प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल बढ़ने से भारत प्रधानमंत्री के 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ सकेगा और साथ ही स्वच्छ पर्यावरण में भी योगदान दे सकेगा।

कार्रवाई करने के लिए सांसदों को खड़े होकर धन्यवाद ज्ञापन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों को विकास और प्रगति से दूर रखा था। प्रधानमंत्री ने कहा, "अब जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों के पास हर भारतीय के समान अधिकार हैं।"

श्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ कड़ी निर्णायक लड़ाई और जो आतंकवाद को समर्थन करते आए हैं उनके खिलाफ भी कठोर कारवाई करने का समय आ गया है। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में राष्ट्रपति ट्रम्प के संकल्प की प्रशंसा की।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति श्री ट्रम्प और उनके परिवार को भारत आने का निमंत्रण भी दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, "हमारी दोस्ती भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के भविष्य को नई ऊंचाइयां प्रदान करेगी।"

हाउडी मोदी कार्यक्रम में डोनाल्ड जे ट्रम्प का स्वागत करना मेरे लिए सम्मान और गौरव की बात है, प्रधानमंत्री ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने हर जगह एक गहरा और स्थायी प्रभाव छोड़ा है। उनमें संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति का नेतृत्व करने का अपार गुण है। उन्होंने कहा कि जितनी बार मैं इनसे मिला मिला, डोनाल्ड ट्रम्प में वही मित्रता, गर्मजोशी और ऊर्जा महसूस की।

इस आयोजन को संबोधित करते हुए श्री डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत और उसके नागरिकों के लिए एक असाधारण काम कर रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को उनकी अभूतपूर्व चुनावी जीत के लिए भी बधाई दी। भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच संबंध पहले से बेहतर हुए हैं।

प्रधानमंत्री की विकास की नीतियों को सलाम करते हुए श्री ट्रम्प ने कहा "भारत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगभग तीन सौ मिलियन

प्रधानमंत्री टेक्सास के ह्यूस्टन में दावूदी बोहरा, कश्मीरी पंडितों और सिख समुदाय के सदस्यों से मिले

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी टेक्सास के ह्यूस्टन में दावूदी बोहरा समुदाय के सदस्यों से मिले और परस्पर बातचीत की। समुदाय के सदस्यों ने ह्यूस्टन में प्रधानमंत्री का सम्मान किया। बातचीत के दौरान दावूदी बोहरा के सदस्यों ने सैयदना साहब के साथ प्रधानमंत्री के साहचर्य को रेखांकित किया। उन्होंने अपने सामुदायिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पिछले साल श्री नरेन्द्र मोदी की इंदौर यात्रा का भी स्मरण किया।

बातचीत के बाद ट्वीट करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, "दावूदी बोहरा समुदाय ने दुनिया भर में अपनी अलग पहचान बनाई है। ह्यूस्टन में मुझे उनके साथ समय व्यतीत करने और कई मुद्दों पर बात करने का अवसर मिला।"

प्रधानमंत्री ने ह्यूस्टन में कश्मीरी पंडितों के साथ बातचीत की

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने टेक्सास के ह्यूस्टन में कश्मीरी पंडितों के एक प्रतिनिधिमंडल से भी मुलाकात की। बातचीत के दौरान समुदाय के सदस्यों ने भारत की प्रगति और हर भारतीय के सशक्तीकरण के लिए प्रधानमंत्री द्वारा उठाए गए कदमों का मजबूती से समर्थन किया।

बातचीत के बाद प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, "ह्यूस्टन में कश्मीरी पंडितों के साथ मेरी विशेष बातचीत हुई।"

प्रधानमंत्री ने ह्यूस्टन में सिख समुदाय के सदस्यों के साथ परस्पर बातचीत की

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने टेक्सास के ह्यूस्टन में सिख समुदाय के सदस्यों के साथ परस्पर बातचीत की। सिख समुदाय के सदस्यों ने प्रधानमंत्री का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। बातचीत के दौरान समुदाय के सदस्यों ने देश और सिख समुदाय के समग्र विकास के लिए भारत सरकार द्वारा किए गए पथ प्रवर्तक निर्णयों के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया।

प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया "ह्यूस्टन में सिख समुदाय के साथ मेरी उत्कृष्ट बातचीत हुई। भारत के विकास के प्रति उनके उत्साह को देखकर मुझे प्रसन्नता हुई।"

मोदीजी के नेतृत्व में दुनिया देख रही 'न्यू इंडिया' की ताकत : अमित शाह

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के संबोधन को श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'न्यू इंडिया' की ताकत का परिचायक करार देते हुए कहा कि इससे पूरी दुनिया को स्पष्ट संदेश गया है कि नया भारत देश को एकजुट और सुरक्षित रखने के लिये कोई कसर छोड़ेगा।

ह्यूस्टन में हाउडी मोदी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री मोदी के संबोधन के बाद श्री अमित शाह ने ट्वीट किया, 'दुनिया को स्पष्ट संदेश है कि यह न्यू इंडिया हमारे देश को एकजुट और सुरक्षित रखने के लिये कोई कसर नहीं छोड़ेगा।'

श्री शाह ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को धन्यवाद, आज पूरी दुनिया आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में भारत के साथ मजबूती से खड़ी है।' उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में प्रधानमंत्री मोदीजी की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। यह भारत के लोगों को मान्यता है।

श्री शाह ने कहा कि वृहद हाउदी मोदी समारोह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में न्यू इंडिया की ताकत का परिचायक है। उन्होंने कहा, 'मैं मजबूत भारत, हर भारतीय के सपनों का भारत पेश करने के लिये प्रधानमंत्री के प्रति आभार प्रकट करता हूं।'

लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। यह अविश्वसनीय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया भारत के एक मजबूत, संपन्न गणराज्य बन रहा है। राष्ट्रपति ने भारतीय समुदाय के योगदान के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि उनका प्रशासन आपके समुदाय की बेहतरी के लिए प्रतिबद्ध है।

ह्यूस्टन में प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए हाउस के प्रमुख नेता स्टेनी होयर ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका आधुनिक भारत से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्र का नेतृत्व कर रहे हैं, भारत ने निर्विवाद रूप से अंतरिक्ष में एक नया मुकाम हासिल किया है और साथ ही लाखों लोगों को गरीबी से ऊपर उठाने में भी समान रूप से काम किया है।

इससे पहले ह्यूस्टन के मेयर श्री सिल्वेस्टर टर्नर ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को सम्मान, एकजुटता और लंबे समय से चले आ रहे भारत-ह्यूस्टन संबंध के लिए 'ह्यूस्टन-की' भी भेंट किया।

ह्यूस्टन के एनआरजी स्टेडियम पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भव्य स्वागत

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का 22 सितंबर को ह्यूस्टन के एनआरजी स्टेडियम पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। श्री मोदी दोनों हाथ जोड़कर मंच पर पहुंचे। इस शानदार स्वागत के लिए लोगों का शुक्रिया कहते हुए वे उनके

ऊर्जा क्षेत्र की कंपनियों के सीईओ से मिले प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने अमेरिका दौरे के पहले दिन ऊर्जा क्षेत्र की कंपनियों के सीईओ राउंड टेबल में भाग लिया।

ह्यूस्टन के होटल पोस्ट ओक में हुई इस बैठक में टेल्यूरियन और पेट्रोनेट के साथ लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) के लिए मेमोरैंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। पांच मिलियन टन एलएनजी के लिए एमओयू साइन किया गया। टेल्यूरियन और पेट्रोनेट ने इसके लिए ट्रैन्ज़ैक्शन एग्रीमेंट को मार्च, 2020 तक अंतिम रूप देने का लक्ष्य निर्धारित किया है। गौरतलब है कि टेल्यूरियन ने फरवरी में ही पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड इंडिया (पीएलएल) के साथ एक एमओयू साइन कर पीएलएल ड्रिफ्टवुड परियोजना में निवेश की संभावनाएं तलाशने की घोषणा की थी। कंपनी की ओर से कहा गया था कि इसमें प्रस्तावित एलएनजी टर्मिनल के साथ ही प्राकृतिक गैस उत्पादन, एकत्रीकरण, प्रसंस्करण और परिवहन सुविधाएं शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व मंच पर भारत को स्थापित किया: जेपी नड्डा

ह्यूस्टन में 'हॉउडी मोदी' कार्यक्रम की भव्य सफलता के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को बधाई देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जे.पी. नड्डा ने 23 सितंबर 2019 को कहा कि प्रधानमंत्री ने दिखाया है कि कैसे विश्व मंच पर भारत ने खुद को स्थापित किया । श्री नड्डा ने पुणे (महाराष्ट्र) में एक कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, "कल प्रधानमंत्री मोदीजी ने दिखाया कि भारत ने विश्व स्तर पर खुद को स्थापित किया है।"

देश के नागरिकों के कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा करते हुए श्री नड्डा ने कहा "जब दुनिया आर्थिक मंदी का सामना कर रही है, तो यह प्रधानमंत्री श्री मोदी ही हैं जो सोचते हैं कि भारत करोड़ों नागरिकों को कर में छूट देगा।"

उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पूरे भारत में करोड़ों रुपए की राशि का हस्तांतरण किसानों के खातों में किया जा चुका है। वहीं छोटे व्यापारियों और उद्यमियों को भी एक नई पेंशन योजना के तहत लाया गया है, जिसके तहत 60 वर्ष की आयु के पश्चात् इन व्यापारियों और उद्यमियों को आर्थिक मदद मिलेगी।"

उन्होंने कहा कि केवल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लिए आज हम गर्व से कह सकते हैं कि कश्मीर हमारा है, हर भारतीय नागरिक का संबंध कश्मीर से है। धारा 370 को समाप्त करने का फैसला प्रधानमंत्री श्री मोदी की दृढ़ इच्छा शक्ति और गृहमंत्री श्री अमित शाह के राजनीतिक कौशल के बाद ही संभव हो सका है।

समक्ष झुके।

ह्यूस्टन के मेयर श्री सिल्वेस्टर टर्नर ने श्री मोदी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के महत्व का उल्लेख किया और कहा कि भारतीय इस शहर के विकास में अहम रहे हैं। श्री टर्नर ने लोगों से कहा कि ह्यूस्टन सबसे विविध शहर है। उन्होंने कहा, "ह्यूस्टन में हम 140 से ज्यादा भाषाओं में हाउडी कहते हैं और आज सुबह हम मोदी को हाउडी कह रहे हैं।"

कार्यक्रम में श्री मोदी का स्वागत करने के बाद श्री टर्नर ने उन्हें ह्यूस्टन शहर की चाबियां प्रस्तुत की, जो देश की उन जगहों में से एक है जहां भारतीय-अमेरिकी समुदाय की संख्या बहुत ज्यादा है।"

डेमोक्रेट स्टेनी होयर ने प्रधानमंत्री श्री मोदी का स्वागत किया और अपने भाषण में महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अमेरिकियों और भारतीय दोनों का मकसद एक है, दोनों देशों के बीच साझेदारी बढ़ाने का।

इससे पहले श्री ट्रंप ने कहा कि वह और उनके "दोस्त" मोदी इस भव्य कार्यक्रम का आनंद लेंगे। उन्होंने ट्वीट किया, "हमारे महान भारत प्रेमी समुदाय के साथ होने का खुशी से इंतजार है।"श्री ट्रंप के ट्वीट का जवाब देते हुए श्री मोदी ने कहा कि वह ह्यूस्टन में अमेरिकी नेता से मुलाकात करने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के संबोधन से पहले टेक्सास एवं अमेरिका के अन्य हिस्सों से आए भारतीय-अमेरिकी कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। ■

हाउडी मोदी : वैश्विक मीडिया की नजर में

अमेरिका के ह्यूस्टन शहर के एनआरजी स्टेडियम में आयोजित 'हाउडी मोदी' रैली अत्यधिक कामयाब और ऐतिहासिक माना गया। इसकी एक वजह अमेरिकी राष्ट्रपति का इसमें प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ मंच साझा करना रहा। पचास हजार लोगों विशेषकर भारतीय-अमेरिकी हुजूम को दुनिया के दो प्रभावशाली नेताओं ने सम्बोधित किया। इस दौरान दोनों देशों के मजबूत सम्बंधों की भी दुनिया गवाह बनी। यही कारण है कि इस महा-आयोजन ने दुनियाभर की मीडिया को अपनी तरफ आकर्षित किया।

अमेरिकी मीडिया में हाउडी मोदी रैली के खूब चर्चे रहे। वाशिंगटन पोस्ट ने लिखा 'ह्यूस्टन में ट्रंप ने गर्मजोशी दिखाने के लिए अनोखा अंदाज दिखाया।' आगे पोस्ट ने लिखा है कि ह्यूस्टन में नारेबाजी करती हजारों भारतीय-अमेरिकन की भीड़ को सम्बोधित करने लिए दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्र के नेताओं ने मंच साझा किया और वहां मोदी ने ट्रंप की तारीफों के पुल बांधे।

खाड़ी देशों की मीडिया में हाउडी मोदी रैली से सम्बंधित खबरें छाई रहीं। संयुक्त अरब अमीरात के सबसे बड़े अंग्रेजी ग्रुप 'गल्फ न्यूज' ने रैली से सम्बंधित समाचारों के साथ-साथ इसकी रंगारंग तस्वीरें भी प्रकाशित की। दोनों नेताओं द्वारा एक दूसरे की तारीफ किए जाने, भारत-अमेरिका सम्बंधों में मजबूती आने और मोदी के ट्रंप से काफी कुछ सीखने का जिक्र है। इसके साथ ही तस्वीरों में एक दूसरे का हाथ पकड़कर चलने, गले लगने, भीड़ का अभिवादन स्वीकार करने और खचाखच भरे स्टेडियम जैसी झलकियां हैं।

एम्स से 'सेवा सप्ताह' की शुरुआत

भाजपा मुख्यालय में प्रदर्शनी का उद्घाटन

भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस (17 सितंबर) के अवसर पर 14 से 20 सितंबर तक पूरे देश में 'सेवा सप्ताह' मनाया।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह एवं पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 14 सितंबर को नयी दिल्ली स्थित एम्स से 'सेवा सप्ताह' का शुभारंभ किया। बाद में श्री शाह ने पार्टी मुख्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। विदित हो कि भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस (17 सितंबर) के अवसर पर 14 से 20 सितंबर तक पूरे देश में 'सेवा सप्ताह' मनाया। श्री अमित शाह और श्री जगत प्रकाश नड्डा ने सेवा सप्ताह की शुरुआत करते हुए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल बांटे और परिसर में सफाई भी की। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री विजय गोयल, श्री विजेंद्र गुप्ताा सहित नेताओं ने सेवा कार्य किए।

इस अवसर पर श्री अमित शाह ने संवाददाताओं से कहा, ''भाजपा पांच साल से प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर 'सेवा सप्ताह' आयोजित कर रही है। हमारे प्रधानमंत्री का जीवन देश की सेवा और गरीबों के लिए काम करने को लेकर समर्पित रहा है। इसलिए यह उचित है कि हम उनके जन्मदिन के सप्ताह को सेवा सप्ताह के रूप में मनाएं।''

श्री शाह ने कहा कि कार्यकर्ता इस अवसर पर सफाई कार्यक्रम, वृक्षारोपण, श्रमदान जैसे कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे

जन्मदिन पर मां का लिया आशीर्वाद

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर देशभर में जश्न का माहौल रहा। वे स्वयं उस दिन अपने गृहराज्य गुजरात के प्रवास पर रहे। अहमदाबाद में उनके कई कार्यक्रम हुए। श्री मोदी अपने जन्मदिन के मौके पर अपनी मां हीराबेन से भी मिले और उनका आशीर्वाद लिया। श्री मोदी नर्मदा जिले के केवडिया पहुंचे। यहां वो सरदार सरोवर बांध पहुंचे और नर्मदा नदी की पूजा और आरती की। इसके बाद वो गरुड़ेश्वर दत्त मंदिर गए। उन्होंने एक जनसभा को भी संबोधित किया। विदित हो कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जन्म 17 सितंबर 1950 को गुजरात के मेहसाणा जिले के वडनगर में हुआ था।

मोदीजी के जन्मदिन पर इंडिया गेट पर काटा गया 69 किलो का लड्डू केक

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा, दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष एवं सांसद श्री मनोज तिवारी ने 17 सितंबर को रात 12 बजे इंडिया गेट पर लड्डू केक काटा।

श्री मोदी के 69वें जन्मदिन पर श्री मनोज तिवारी ने युवा मोर्चा की टीम के साथ 69 किलो के लड्डू का केक इंडिया गेट पर काटा। उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर लिखा कि रात 12 बजे इंडिया गेट पर युवा मोर्चा की टीम के साथ और कवर करने आए पत्रकार, रिपोर्टर, कैमरामैन व एंकर भाइओ-बहनों के साथ 69 किलो का लड्डू केक काटा और अपने समाज सुधारक यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर उनकी लंबी आयु की कामना की। इस दौरान भाजपा के कई नेता उपस्थित रहे।

हैं। इनका उद्देश्य जन कल्याण है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से 'स्वच्छता ही सेवा, एक बार उपयोग में आने वाले प्लास्टिक से मुक्ति, जल संरक्षण और संवर्धन' के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का आग्रह किया।

वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि पिछले 5 वर्षों से भाजपा के सभी सदस्य प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य पर सेवा सप्ताह का आयोजन कर रहे हैं, इस वर्ष भी भाजपा के सभी कार्यकर्ता विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से इसको आगे ले जाएंगे। भाजपा ने 'सेवा सप्ताह' मनाने के लिये एक समिति का गठन किया है। सेवा सप्ताह में मुख्य फोकस स्वच्छता व सेवा कार्यक्रमों पर रहा। इस दौरान रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य परीक्षण व आंख जांच शिविर, दिव्यांग उपकरण वितरण शिविर, जरूरतमंदों को राहत व मदद कार्यक्रम आदि के आयोजन किए गए।

वहीं, श्री अमित शाह ने भाजपा मुख्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, पार्टी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री प्रभात झा, राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बीएल संतोष सहित अनेक वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। इस प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं को रेखांकित किया गया है। इसमें अन्य विषयों के अलावा एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में मोदी के कार्यों को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में मोदी और गुजरात, वैश्विक दृष्टि, प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यों को रेखांकित किया गया है। ■

राज्य में भ्रष्टाचारविहीन और विकास से परिपूर्ण शासन दिया है भाजपा ने: अमित शाह

केन्द्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 22 सितंबर को मुंबई, महाराष्ट्र के श्री शनमुखानंद चंद्रसेकरेंद्र सरस्वती नाट्यगृह (सायन) में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति के ऐतिहासिक निर्णय पर आयोजित व्याख्यान को संबोधित किया और कहा कि जम्मू-कश्मीर से धारा 370 और 35 (ए) के हटने से प्रदेश के विकास के द्वार खुल गए हैं। हम जम्मू-कश्मीर के विकास और वहां के निवासियों के उत्थान के लिए कटिबद्ध हैं। ज्ञात हो कि धारा 370 के उन्मूलन की जानकारी देश के जन-जन तक पहुंचाने के लिए और इस बदले हुए परिप्रेक्ष्य में देश के प्रत्येक नागरिक को जम्मू-कश्मीर की जनता के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का बोध कराने हेतु भारतीय जनता पार्टी ने 01 सितंबर 2019 से 30 सितंबर 2019 तक पूरे देश में व्यापक जनसंपर्क एवं जनजागरण अभियान चलाने का निर्णय लिया है जिसके तहत देश भर में कई कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं।

श्री शाह ने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा में पूर्ण बहुमत की भारतीय जनता पार्टी सरकार बनना तय है। कांग्रेस और एनसीपी भले ही अलग-अलग राग अलापें, लेकिन महाराष्ट्र में एनडीए सरकार तीन चौथाई बहुमत से जीत हासिल करेगी। जिस प्रकार केंद्र में मोदी सरकार और प्रदेश में देवेन्द्र सरकार पांच साल चली है, उससे महाराष्ट्र की जनता भाजपा में अपनी आशाओं, आकांक्षाओं और सपनों को साकार होता हुआ देख रही है। महाराष्ट्र की जनता ने यह तय कर लिया है कि श्री देवेन्द्र फड़णवीस पुनः प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने वाले हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 और 35 (ए) को हटाने के भागीरथ प्रयास को पूरा कर देश के जन-जन की आकांक्षा को पूरा करने का कार्य किया है। धारा 370 और 35 (ए) जम्मू-कश्मीर के भारत के साथ जुड़ाव और देश की एकता व अखंडता के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा थी। जब तक धारा 370 था, जम्मू-कश्मीर के लिए हमें बार-बार कहना पड़ता था कि जम्मू-कश्मीर हिंदुस्तान का अभिन्न अंग है। आज हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि जम्मू-कश्मीर हिंदुस्तान का अभिन्न अंग है, क्योंकि अब धारा 370 और 35 (ए) अस्तित्व में नहीं है। एक देश में एक विधान, एक प्रधान और एक निशान के नारे को लेकर जन संघ और भारतीय जनता पार्टी के कई कार्यकर्ताओं ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। पहले जम्मू-कश्मीर जाने के लिए भारतीय नागरिकों को भी परमिट लेना पड़ता था। जम्मू-कश्मीर को हिंदुस्तान के साथ अखंड रूप से जोड़ने के लिए हमारे प्रथम अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी जम्मू-कश्मीर गए लेकिन शेख अब्दुल्ला सरकार ने उन्हें जेल में डाल दिया जहां रहस्यमय परिस्थितियों में उनका देहावसान हो गया। हमने हिंदुस्तान की एकता और अखंडता के लिए आंदोलनों की शुरुआत की और पहला बलिदान दिया।

कांग्रेस नेता श्री राहुल गांधी पर हमलावर होते हुए श्री शाह ने कहा कि राहुल गांधी कहते हैं कि धारा 370 एक राजनीतिक मुद्दा है। राहुल गांधी, आप आज राजनीति में आये हैं लेकिन हमारी तीन-तीन पीढ़ियों ने जम्मू-कश्मीर को भारत के साथ अक्षुण्ण रखने के लिए बलिदान दिया है। हम हमेशा इसके लिए आंदोलनरत रहे। यह राजनीतिक मुद्दा कतई नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के लिए जम्मू-कश्मीर में धारा 370 और 35 (ए) को रखना राजनीतिक मुद्दा था और आज भी है जबकि इसे हटाना भारतीय जनता पार्टी के लिए भारत मां को एक और अखंड बनाने का संकल्प है और यही हमारे

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का भी संकल्प है। राहुल गांधी, आपको इसमें राजनीति दिखती है जबकि हमें धारा 370 और 35 (ए) के हटाने के निर्णय में देशभक्ति दिखाई देती है, यही तो फर्क है भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस में।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि देश की आजादी के बाद 600 से अधिक रियासतों को भारत के साथ जोड़ने का बीड़ा उठाया लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने जबकि जम्मू-कश्मीर का मसला पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने पास रखा। परिणाम यह हुआ कि आज समग्र हिंदुस्तान में जम्मू-कश्मीर को छोड़कर कहीं कोई भी समस्या नहीं है। जब 20 अक्टूबर 1947 को पाकिस्तान ने कबीलाई सेना की आड़ में जम्मू-कश्मीर पर हमला किया और जम्मू-कश्मीर के महाराजा ने भारत के साथ जुड़ने का प्रस्ताव रखते हुए सहायता मांगी तो हम जीतते-जीतते पाकिस्तान में काफी अंदर तक पहुंच गए थे, लेकिन पंडित नेहरू के अचानक युद्ध विराम की घोषणा के कारण पाक अधिकृत कश्मीर को हिंदुस्तान के साथ जोड़ने का स्वप्न अधूरा

रह गया। पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर का मुद्दा होता ही नहीं यदि पंडित नेहरू ने अचानक युद्ध विराम न किया होता। इतना ही नहीं, पंडित नेहरू संयुक्त राष्ट्र के चार्टर 35 के तहत जम्मू-कश्मीर के मुद्दे को यूएन ले गए और जिसका परिणाम यह हुआ कि जम्मू-कश्मीर एक विवादित क्षेत्र बन गया। सरदार पटेल की असामयिक मृत्यु के पश्चात् शेख अब्दुल्ला और पंडित नेहरू के बीच एक असंवैधानिक 'दिल्ली समझौता' हुआ जिसके कारण धारा 370 और 35 (ए) की नींव पड़ी। साथ ही जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद, अलगाववाद और भ्रष्टाचार अपनी जड़ें गहरी करता चला गया और पाकिस्तान को जम्मू-कश्मीर को अस्थिर करने का मौक़ा मिल गया। इसी के कारण अपने ही देश में दोहरी नागरिकता की परिस्थिति उत्पन्न हुई। और तो और, जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान से आने वाले शरणार्थियों और देश के अन्य भागों से आ कर बसने वालों के राजनैतिक और कानूनी अधिकार भी न के बराबर रह गए। वे न तो चुनाव लड़ सकते थे और न ही मतदान कर सकते थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने संसद की सम्मति से धारा 370 और 35 (ए) को निरस्त कर जम्मू-कश्मीर के नागरिकों को उनका अधिकार प्रदान किया है।

श्री शाह ने कहा कि 90 के दशक में हजारों कश्मीरी पंडितों, सूफी संतों और सरदारों को जम्मू-कश्मीर से विस्थापित होने के लिए मजबूर होना पड़ा। इतना ही नहीं, 1989 से लेकर आज तक हमारे 40 हजार नागरिक जम्मू-कश्मीर में शहीद हुए। कांग्रेस और एनसीपी को केवल सत्ता चाहिए, इसलिए उन्हें हमारे 40 हजार नागरिकों की शहादत की तकलीफ नहीं होती जबकि हमारे सीने में यह दर्द दिन-रात सुलगता रहता है। मुझे विश्वास है कि कुछ समय बाद ही जम्मू-कश्मीर आतंकवाद से पूर्णतया मुक्त होकर विकास के रास्ते पर तेज गति से चल पड़ेगा। जब संसद में धारा 370 और 35 (ए) को निरस्त करने के लिए बहस चल रही थी तो कांग्रेसी दोनों सदनों में हिंदुस्तान को डराने की कोशिश कर रहे थे कि धारा 370 और 35(ए) के हटने से हिंदुस्तान रक्तरंजित हो जायेगा, खून की नदियां बहेगी जबकि पांच अगस्त 2019 से आज तक जम्मू-कश्मीर में एक भी गोली चलानी नहीं पड़ी है और न ही इसके कारण किसी की भी मृत्यु हुई है। आखिर कांग्रेस, एनसीपी और उसकी साथी पार्टियां अपनी तुच्छ राजनीति के लिए डराती किसे है?

गृह मंत्री ने कहा कि धारा 370 और 35 (ए) के हटने के पश्चात् जम्मू-कश्मीर में चहुं ओर शांति है। अब केवल 10 थाने में ही प्रतिबंधित धाराएं रह गई हैं। लगभग 99% लैंडलाइन काम कर रहे हैं, लगभग 67% मोबाइल भी अब काम करने लगे हैं। कर्फ्यू ख़त्म हो गया है, व्यापार शुरू हो गया है और जम्मू-कश्मीर के सेब भी जल्द ही बाजारों में दस्तक देंगे। उन्होंने कहा कि धारा 370 और 35 (ए) के हटने के कारण जम्मू-कश्मीर को काफी फायदा पहुंचा है। प्रदेश के कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण मिलने की शुरुआत हुई है। अब जम्मू-कश्मीर में एट्रोसिटीज एक्ट भी लागू होगा, सफाई कर्मचारी आयोग और मानवाधिकार आयोग का भी गठन होगा। साथ ही, अब प्रदेश में बाल विवाह का भी क़ानून होगा। जम्मू-कश्मीर में केवल तीन परिवार ने शासन को अपने हाथों में ले रखा था और उन्होंने एंटी करप्शन ब्यूरो का गठन भी प्रदेश में नहीं होने दिया ताकि उनके भ्रष्टाचार पर कोई ऊंगली न उठे। केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए 2.27 लाख करोड़ रुपये की राशि दी। यदि यह पैसा भ्रष्टाचार की भेंट न चढ़ा होता तो यह पैसा जम्मू-कश्मीर के लोगों तक पहुंचता और घर-घर विकास होता। धारा 370 और 35 (ए) जम्मू-कश्मीर की भाषा अथवा संस्कृति के संरक्षण के लिए नहीं, बल्कि तीन राजनीतिक घरानों के भ्रष्टाचार का राजनैतिक कवच था।

जम्मू-कश्मीर में केवल तीन परिवार ने शासन को अपने हाथों में ले रखा था और उन्होंने एंटी करप्शन ब्यूरो का गठन भी प्रदेश में नहीं होने दिया ताकि उनके भ्रष्टाचार पर कोई ऊंगली न उठे। केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए 2.27 लाख करोड़ रुपये की राशि दी।

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आने के बाद देश की सभी परिवारवादी पार्टियों की नींव हिलने लगी है। कांग्रेस, एनसीपी और तमाम ऐसी पार्टियों में डर घर कर गया है। अब जम्मू-कश्मीर में भी परिवारवादी पार्टियों का सफाया तय है।

महाराष्ट्र की जनता से अपील करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि जब संसद में धारा 370 की समाप्ति को लेकर बहस चल रही थी तो कांग्रेस और एनसीपी के नेताओं ने इसका पुरजोर विरोध किया था। कांग्रेस और एनसीपी महाराष्ट्र में जब प्रदेश की जनता से वोट मांगने आयें तो स्पष्ट करें कि वे धारा 370 के पक्ष में हैं या इसके हटने के विरोध में। महाराष्ट्र की जनता को यह जानने का अधिकार है। राहुल गांधी तो आज भी धारा 370 के हटने का विरोध कर रहे हैं। उन्हें यह याद होना चाहिए कि बांग्लादेश के लिए पाकिस्तान से लड़ाई के समय श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने इंदिरा गांधी जी का समर्थन किया था क्योंकि यह देश का मामला था। जब 1994 में जम्मू-कश्मीर पर तत्कालीन कांग्रेस सरकार प्रस्ताव लेकर सदन में आई, तब भी भारतीय जनता पार्टी ने उसका समर्थन किया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री नरसिम्हा राव जी के आग्रह पर श्रद्धेय अटल जी यूएन में जम्मू-कश्मीर पर भारत का पक्ष रखने के लिए गये थे। जब मामले देशहित के हों तो दलों की राजनीति नहीं करते, बल्कि दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर स्टैंड लेते हैं। हालांकि राहुल गांधी

का देशहित के निर्णय पर विरोध पहली बार नहीं है। जब हमने देश के दुश्मनों के खिलाफ पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक किये तो राहुल गांधी ने सबूत मांगने शुरू कर दिए, इसका विरोध किया। याद कीजिये जब जेएनयू में 'भारत तेरे टुकड़े होंगे' के देशद्रोही नारे लग रहे थे, तब भी राहुल गांधी राष्ट्र विरोधी तत्वों के समर्थन में खड़े हो गए थे और आज भी कांग्रेस एवं एनसीपी निर्लज्ज होकर देश के एकता व अखंडता के खिलाफ बातें कर रही है।

श्री शाह ने कहा कि हमारे देवेन्द्र फड़णवीस जी ने पांच वर्षों में भ्रष्टाचार विहीन शासन दिया है, विकास से परिपूर्ण शासन दिया है, महाराष्ट्र का गौरव बढ़ाया है, देश के नंबर वन प्रदेश के रूप में महाराष्ट्र को प्रतिष्ठित किया है। आज महाराष्ट्र शिक्षा के मामले में देश में तीसरे स्थान पर और निवेश के क्षेत्र में दूसरे स्थान पर है। विगत पांच वर्षों में महाराष्ट्र का कृषि विकास दर भी बढ़ा है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि धारा 370 के हटने के बाद यह पहला चुनाव है। एक ओर भारत माता को सर्वस्व मानने वाली भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी हैं, तो वहीं दूसरी ओर केवल अपने परिवार को ही सर्वस्व मानने वाली कांग्रेस, एनसीपी और उसकी सहयोगी पार्टियां। महाराजा छत्रपति शिवाजी की धरती पर महाराष्ट्र की जनता ने धारा 370 को हटाने का विरोध कर हिंदुस्तान को बदनाम करने वाली पार्टियों को सबक सिखाने का मन बनाते हुए उन्हें अपनी जगह दिखाने का निर्णय ले लिया है। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से जन-जन में धारा 370 को हटाने के राष्ट्र एकता के सदेश और छत्रपति शिवाजी के स्वराज को सिंचित करने का आह्वान किया। ■

संगठनात्मक नियुक्तियां

संजय जायसवाल बिहार और सतीश पूनिया राजस्थान भाजपा के अध्यक्ष नियुक्त

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 14 सितंबर को पश्चिम चम्पारण से सांसद डॉ. संजय जायसवाल को बिहार प्रदेश भाजपा का अध्यक्ष नियुक्त किया। वहीं, श्री शाह ने आमेर से विधायक और भाजपा प्रवक्ता श्री सतीश पूनिया को राजस्थान भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया।

डॉ. संजय जायसवाल

सतीश पूनिया

54 वर्षीय डॉ. जायसवाल निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष केंद्रीय गृह राज्यमंत्री श्री नित्यानंद राय का स्थान लेंगे। चिकित्सक के रूप में समाज सेवा करने वाले डॉ. संजय जायसवाल भाजपा के अनुभवी नेताओं में से एक हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् से जुड़े रहे डॉ. जायसवाल साल 2009 से लगातार पार्टी के सांसद हैं। वे भाजपा के टिकट पर वर्ष 2009 में पहली बार और 2014 में दूसरी बार सांसद चुने गए। लोकसभा चुनाव 2019 में भी वे पश्चिम चंपारण लोकसभा क्षेत्र से भारी मतों से जीत हासिल कर तीसरी बार लोकसभा पहुंचे हैं। वहीं, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् से जुड़े रहे श्री पूनिया भाजपा के लगातार चार बार प्रदेश महामंत्री का दायित्व निभा चुके हैं। विदित हो कि राजस्थान भाजपा के अध्यक्ष श्री मदनलाल सैनी का 24 जून को निधन होने के बाद से यह पद खाली था। ■

अजय कुमार बने उत्तराखंड भाजपा के महामंत्री (संगठन)

अजय कुमार

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 14 सितंबर को श्री अजय कुमार को भाजपा, उत्तराखंड प्रदेश का महामंत्री (संगठन) नियुक्त किया। वर्तमान में श्री अजय कुमार पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संगठन (महामंत्री) का दायित्व निभा रहे थे। उनका उत्तराखंड से गहरा नाता रहा है। मूल रूप से उत्तर प्रदेश के सहारनपुर निवासी श्री अजय कुमार ने संघ के प्रचारक के रूप में शुरुआत उत्तराखंड से ही की। वह यहां श्रीनगर में नगर प्रचारक, हरिद्वार व ऊधमसिंह नगर जिलों में जिला प्रचारक और अल्मोड़ा विभाग प्रचारक के पदों पर कार्य कर चुके हैं। ■

भारत तेज गति से विकास के पथ पर अग्रसर है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 22 सितंबर को लेस ग्राउंड, गायत्री विहार (बेंगलुरु) में धारा 370 के खात्मे और "एक देश, एक संविधान" विषय पर आयोजित बुद्धिजीवी वर्ग सम्मेलन को संबोधित किया और मोदी सरकार के इस निर्णय को जम्मू-कश्मीर की प्रगति का द्वार बताया। ज्ञात हो कि धारा 370 के उन्मूलन की जानकारी देश के जन-जन तक पहुंचाने के लिए और इस बदले हुए परिप्रेक्ष्य में देश के प्रत्येक नागरिक को जम्मू-कश्मीर की जनता के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का बोध कराने हेतु भारतीय जनता पार्टी ने 01 सितंबर 2019 से 30 सितंबर 2019 तक पूरे देश में व्यापक जनसंपर्क एवं जनजागरण अभियान चलाने का निर्णय लिया है जिसके तहत देश भर में कई कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। श्री नड्डा ने इसके तहत प्रसिद्ध क्रिकेटर एवं भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान श्री राहुल द्रविड़ और ज्ञानपीठ पुरस्कार, साहित्य अकादमी पुरस्कार और पद्मश्री से सम्मानित प्रसिद्ध कन्नड़ साहित्यकार श्री चंद्रशेखर कम्बार से भी मुलाक़ात की।

श्री नड्डा ने कहा कि ये गलत धारणा है कि धारा 370 जम्मू-कश्मीर को स्पेशल स्टेटस देता है। यह एक ऐतिहासिक झूठ है जबकि संविधान में धारा 370 के बारे में स्पष्ट उल्लेखित है कि यह टेंपररी और ट्रांजिशनल है और यह कोई स्थायी प्रावधान नहीं है। यहां यह बात ध्यान देने वाली है कि हमारे संविधान निर्माता धारा 370 के खिलाफ थे और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर साहब ने बाकायदा संविधान सभा में इसकी खिलाफत की थी। उनका स्पष्ट मानना था कि भारत जम्मू-कश्मीर की सीमाओं की तो सुरक्षा करे, उसका भरण-पोषण तो करे, कनेक्टिविटी और डिफेंस की देखभाल तो करे, लेकिन भारतीय नागरिकों को जम्मू-कश्मीर में अधिकार न मिले, यह अमान्य है और इसका समर्थन नहीं किया जा सकता। इसके बाद धारा 370 को शामिल कराने की जिम्मेदारी गोपाल अय्यंगर जी को दी गई और उन्होंने भी संविधान सभा में कहा कि धारा 370 का प्रावधान अस्थायी होगा और चरणबद्ध तरीके से भारत की सभी धाराओं को जम्मू-कश्मीर में लागू किये जाने के प्रावधान किये जायेंगे।

कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि 1951 में जब पीपुल्स रिप्रेजेंटेशन एक्ट जम्मू-कश्मीर में पूरी तरह से लागू नहीं हुआ था और पहली बार जम्मू-कश्मीर में विधान सभा के चुनाव हो रहे थे तो शेख अब्दुल्ला के दबाव में प्रजा परिषद् के सभी उम्मीदवारों के फॉर्म को रिजेक्ट कर दिया गया और शेख अब्दुल्ला की पार्टी के 73 उम्मीदवार बिना कंटेस्ट के चुन कर विधान सभा पहुंच गए। दो और कंटेस्ट के फॉर्म

को रिजेक्ट कर फिर से उनका इलेक्शन हुआ और इस तरह 75 के 75 विधायक एक ही पार्टी के हो गए। 75 सीटों के दंभ में आकर शेख अब्दुल्ला ने 75 विधायकों वाली विधान सभा को ही जम्मू-कश्मीर के संविधान सभा और संप्रभु निकाय की संज्ञा दे दी। इसके खिलाफ 1951 से 1954 तक आंदोलन चला। हजारों लोगों की गिरफ्तारी हुई। कई लोग शहीद हुए और हमारे पूज्य डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने देश की एकता, अखंडता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। इसके बाद पंडित नेहरू और शेख अब्दुल्ला के बीच में हुआ 'दिल्ली अकॉर्ड' भारतीय संविधान के मूलभूत सिद्धांतों के खिलाफ था। यह समझौता न तो हस्ताक्षरित था और न ही संवैधानिक। इसके अनुसार यह निर्णय लिया गया कि जम्मू-कश्मीर का अलग संविधान होगा। संसद के कानून जब तक जम्मू-कश्मीर की विधान सभा से पारित नहीं होगा, तब तक जम्मू-कश्मीर में लागू नहीं होगा। इसके कारण एक ही देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशान की नींव पड़ी। हालांकि हमारे संविधान निर्माताओं ने आर्टिकल 370 में 1D का क्लॉज जोड़ा और इसके प्रावधानों को ख़त्म करने का अधिकार राष्ट्रपति को दिया गया। उन्होंने कहा कि धारा 370 और 35 (A) के कारण जम्मू-कश्मीर आतंकवाद तथा अलगाववाद पनपा और भ्रष्टाचार चरम सीमा तक पहुंच गया इसलिए यह आवश्यक हो गया था कि इसे ख़त्म किया जाय।

श्री नड्डा ने कहा कि आजादी के 70 सालों से हम देश में एक विधान, एक प्रधान और एक निशान का सपना लेकर चल रहे थे, लेकिन इस सपने को हकीकत में बदलते हुए धारा 370 को धाराशायी करने का ऐतिहासिक कार्य किया प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और गृह

क्रिकेटर राहुल द्रविड़ एवं साहित्यकार चंद्रशेखर कम्बार से मिले जेपी नड्डा

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 22 सितंबर को बेंगलुरु में क्रिकेटर श्री राहुल द्रविड़ से उनके घर पर मुलाकात की। श्री नड्डा और श्री द्रविड़ के बीच मुलाकात भाजपा द्वारा चलाए जा रहे संपर्क अभियान के तहत हुई। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद भाजपा पूरे देश में संपर्क अभियान चला रही है। श्री नड्डा ने कन्नड़ के मशहूर नाटककार, कवि, उपन्यासकार और ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित लेखक श्री चंद्रशेखर कम्बार से भी मुलाकात की। 'मि. भरोसेमंद' के नाम से मशहूर श्री द्रविड़ को हाल ही में आईसीसी ने हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है। भारत ए, भारत बी तथा भारत की अंडर 19 टीम को संवारने में उन्होंने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है।

गौरतलब है कि भाजपा ने जुलाई माह में सदस्यता अभियान चलाया था। पार्टी ने पूरे देश में व्यापक पैमाने पर नए सदस्य पार्टी से जोड़े। इससे पहले लोकसभा चुनाव 2019 से पहले, पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने सर्वश्री महेंद्र सिंह धोनी, पूर्व सेना प्रमुख दलबीर सुहाग, उद्योगपति रतन टाटा, संविधान विशेषज्ञ सुभाष कश्यप और अभिनेत्री श्रीमती माधुरी दीक्षित जैसी दिग्गज हस्तियों से मुलाकात की थी। वैसे, 26 मई, 2018 को मोदी सरकार के चार साल पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी ने 'संपर्क से समर्थन' जनसंपर्क अभियान शुरू किया था।

मंत्री श्री अमित शाह ने। उन्होंने कहा कि धारा 370 और 35 (ए) के हटते ही अब देश में एक विधान, एक प्रधान, एक संविधान और एक निशान तय हो गया। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति, केंद्रीय गृह मंत्री एवं हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह की कुशल रणनीति और इसके प्रति देश की जनता के अपार समर्थन के बल पर संभव हुआ है। धारा 370 और 35 (ए) को हटाने का फैसला राष्ट्रहित में लिया गया है। इस फैसले से देश के हर नागरिक के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर की पूरी आवाम खुश है क्योंकि जम्मू-कश्मीर में अब विकास की बयार बहेगी और देश के बनाए गए सभी क़ानून जम्मू-कश्मीर में भी लागू होंगे। अपने अधिकारों से वंचित गुर्जर, बकरवाल और वाल्मीकि समुदाय के लोगों को भी उनका हक़ मिलेगा। विधान सभा और लोक सभा की कुछ सीटें भी आरक्षित होंगी और वर्षों से मतदान के अधिकार से वंचित लोगों को उनका अधिकार मिलेगा।

कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि धारा 370 के माध्यम से जम्मू-कश्मीर को भारत से तोड़ने की साज़िश रची गई थी और इसमें कांग्रेस के नेता शामिल थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री श्री अमित शाह ने इसे ख़त्म कर जम्मू-कश्मीर को सच्चे अर्थों में भारत का अभिन्न अंग बनाया है। पूरी दुनिया इस फैसले पर हिंदुस्तान के साथ एकजुट है और आतंक का पनाहगाह पाकिस्तान अलग-थलग पड़ गया है।

ह्यूस्टन में होने वाले विशाल 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम की चर्चा करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि आज की घड़ी हिंदुस्तान के लिए ऐतिहासिक है जब हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कार्यक्रम 'हाउडी मोदी' में अमेरिका के राष्ट्रपति भी भाग लेंगे। प्रत्येक देशवासियों को उस पल का इंतजार है जब ह्यूस्टन के एनआरजी स्टेडियम में हमारे प्रधानमंत्री पूरे विश्व को संबोधित करेंगे। उन्होंने भारतीय अमेरिकी समाज की उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय अमेरिकी समाज ने जो स्थान बनाया है, उसकी जितनी सराहना की जाय, वह कम है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हिंदुस्तान बदल रहा है और भारत तेज गति से विकास के पथ पर अग्रसर है। ■

घरेलू कंपनियों के लिए कॉर्पोरेट कर घटकर 22% और नई घरेलू विनिर्माण कंपनियों के लिए 15% हुआ

कर की प्रभावी दरें करीब 10 प्रतिशत नीचे

आर्थिक वृद्धि तेज करने तथा निवेश एवं रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिये भाजपानीत केंद्र की राजग सरकार ने 20 सितंबर को कारपोरेट कर में भारी कटौती की घोषणा की। सरकार के इस ताजा प्रोत्साहन से कारपोरेट कर की प्रभावी दरें करीब 10 प्रतिशत नीचे आ गयी हैं।

वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने मौजूदा कंपनियों के लिये कॉरपोरेट कर की आधार दर 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत करने की घोषणा की। इससे कॉरपोरेट कर की प्रभावी दर 34.94 प्रतिशत से कम होकर 25.17 प्रतिशत पर आ जाएगी। इसके साथ ही एक अक्टूबर 2019 के बाद बनने वाली तथा 31 मार्च 2023 से पहले परिचालन शुरू कर देने वाली विनिर्माण कंपनियों के लिये कॉरपोरेट कर की आधार दर 25 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत करने की भी घोषणा की गयी। इससे इन कंपनियों के लिये प्रभावी कॉरपोरेट कर की दर 29.12 प्रतिशत से कम होकर 17.01 प्रतिशत पर आ जाएगी। हालांकि इस तरह की कंपनियों के लिये एक शर्त है कि ये कंपनियां विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) में स्थित इकाइयों को मिलने वाली कर छूट या किसी अन्य प्रकार के कर प्रोत्साहन का लाभ नहीं उठाएंगी। सरकार के इस कदम से देश में कॉरपोरेट कर की दरें चीन, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, सिंगापुर आदि जैसे अन्य प्रतिस्पर्धी एशियाई बाजारों के समतुल्य हो गयी हैं।

इसके साथ ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिये डेरिवेटिव समेत प्रतिभूतियों की बिक्री से होने वाले पूंजीगत लाभ पर धनाढ्य-अधिभार समाप्त करने का भी निर्णय लिया गया। वित्त मंत्री ने कहा कि आयकर अधिनियम में अध्यादेश लाकर इन बदलावों को अमल में लाया जाएगा। वित्त मंत्री ने एक अन्य राहत देते हुए कहा कि जिन सूचीबद्ध कंपनियों ने पांच जुलाई से पहले शेयरों की पुनर्खरीद की घोषणा की है, उन्हें भी किसी प्रकार का कर नहीं देना होगा। श्रीमती सीतारमण ने पांच जुलाई को अपने पहले बजट में आय पर अधिक अधिभार के रूप में घोषित धनाढ्यों पर उच्च दर से लगने वाले कर को समाप्त करने की भी घोषणा की। इसके तहत अब प्रतिभूति लेन-देन कर की देनदारी वाली कंपनियों के शेयर की बिक्री से हुए पूंजीगत लाभ पर उच्च दर से अधिभार का भुगतान नहीं करना होगा। इसके साथ ही कंपनियों को न्यूनतम वैकल्पिक कर का भुगतान नहीं करना होगा।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि यदि कोई कंपनी कम की गयी दरों पर भुगतान करने का विकल्प नहीं चुनती है और कर छूट एवं प्रोत्साहन का लाभ उठाती है तो वह पुरानी दरों पर भुगतान करना जारी रखेंगी। उन्होंने कहा, ''ये कंपनियां छूट व प्रोत्साहन की अवधि

समाप्त होने के बाद संशोधित दरों का विकल्प चुन सकती हैं।"

छूट व प्रोत्साहन का लाभ जारी रखने का विकल्प चुनने वाली कंपनियों को राहत देने के लिये न्यूनतम वैकल्पिक कर की दर 18.5 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर दी गयी है।

सरकार ने कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) का दायरा बढ़ाने की भी घोषणा की। अब कंपनियां सीएसआर के तहत सार्वजनिक इनक्यूबेटर्स और सरकार द्वारा वित्तपोषित शैक्षणिक निकायों पर भी खर्च कर सकती हैं। सरकार की इन घोषणाओं का निवेशकों की धारणा पर सकारात्मक असर देखने को मिला। घरेलू मुद्रा पर भी इसका सकारात्मक असर पड़ा।

कारपोरेट कर में कटौती 'ऐतिहासिक कदम', मेक इन इंडिया में उछाल आयेगा, निवेश बढ़ेगा: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कॉरपोरेट कर की दरें कम किए जाने को ''ऐतिहासिक कदम" करार देते हुए कहा कि इससे 'मेक इन इंडिया' में बड़ा उछाल आने के साथ ही निवेश भी आकर्षित होगा, निजी क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी एवं रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

प्रधानमंत्री ने अपने ट्वीट में कहा, ''पिछले कुछ सप्ताहों में जो घोषणाएं हुई हैं वह प्रदर्शित करती हैं कि हमारी सरकार भारत को कारोबार के लिहाज से बेहतर स्थान बनाने, समाज के सभी वर्गों के लिये अवसर बेहतर बनाने तथा भारत को 5000 अरब डालर की अर्थव्यवस्था बनाकर समृद्धि बढ़ाने के लिये कोई कसर नहीं छोड़ रही है।''

श्री मोदी ने कहा, ''कारपोरेट कर में कटौती का कदम ऐतिहासिक है। इससे मेक इन इंडिया' में बड़ा उछाल आयेगा, दुनिया भर से निवेश आकर्षित होगा, निजी क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी एवं रोजगार के अधिक अवसर सृजित होंगे। इसके परिणामस्वरूप 130 करोड़ भारतीयों के लिये बेहतर परिणाम आयेंगे।''

रिजर्व बैंक के गवर्नर श्री शक्तिकांत दास ने इसे बड़ा कदम करार दिया और सरकार की घोषणाओं का स्वागत किया। ■

व्यापारियों और स्वरोजगार व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन योजना की शुरुआत

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12 सितंबर को रांची में व्यापारियों और स्वरोजगार व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन योजना शुरू की। यह पेंशन योजना उन व्यापारियों (दुकानदारों/खुदरा व्यापारियों और स्वरोजगार में लगे व्यक्तियों) के लिए है जिनका वार्षिक कारोबार 1.5 करोड़ रुपये से अधिक नहीं है। झारखंड की राज्यपाल श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, झारखंड के मुख्यमंत्री श्री रघुबर दास, जनजातीय मामलों के मंत्री श्री अर्जुन मुंडा, श्रम और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संतोष कुमार गंगवार और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

यह पेंशन योजना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूसरे कार्यकाल की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। वर्ष 2019-20 तक 25 लाख लाभार्थियों तथा 2023-2024 तक 2 करोड़ लाभार्थियों को इस योजना में शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना से देश के लगभग 3 करोड़ व्यापारियों के लाभान्वित होने की उम्मीद है।

इस राष्ट्रव्यापी शुरुआत से इस योजना के तहत भावी लाभार्थियों के लिए नामांकन की सुविधा देश भर में स्थित 3.50 लाख कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा लोग www.maandhan.in/vyapari पोर्टल पर जाकर भी स्वयं नामांकन कर सकते हैं। पात्र व्यापारी इस योजना के तहत अपने नजदीकी सीएससी पर जाकर नामांकन करा सकते हैं।

नामांकन के समय लाभार्थी को अपना आधार कार्ड और बचत बैंक/जन-धन खाता पासबुक ले जाना आवश्यक है। लाभार्थी की आयु 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए। 40 लाख से अधिक वार्षिक व्यापार वाले व्यापारियों के लिए जीएसटीआईएन की जरूरत है। योजना के तहत लाभार्थियों के लिए नामांकन निःशुल्क है। नामांकन स्व-प्रमाणन पर आधारित है।

सरकार ने व्यापरियों (दुकानदारों/खुदरा व्यापारियों और स्वरोजगार में लगे व्यक्तियों) के महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए व्यापारियों और स्वरोजगार में लगे व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन योजना को मंजूरी दी। यह 18 से 40 वर्ष की आयु के व्यापारियों के लिए एक स्वैच्छिक और अंशदायी पेंशन योजना है।

इसमें लाभार्थी की आयु 60 वर्ष होने पर न्यूनतम 3,000 रुपये मासिक पेंशन देने का प्रावधान है। लाभार्थी को आयकर दाता नहीं होना चाहिए तथा उसे ईपीएफओ/ईएसआईसी/एनपीएस (सरकार)/पीएम-एसवाईएम का सदस्य भी नहीं होना चाहिए।

इस योजना के तहत केंद्र सरकार का मासिक अंशदान में 50% योगदान होगा और शेष 50% अंशदान लाभार्थी द्वारा किया जाएगा। मासिक योगदान को कम रखा गया है। उदाहरण के लिए एक लाभार्थी को 29 वर्ष की आयु होने पर केवल 100 रुपये प्रति माह का छोटा सा योगदान करना आवश्यक है। ■

दक्षिण एशिया की पहली सीमा पार पेट्रोलियम पाइपलाइन परियोजना रिकॉर्ड समय में पूरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और नेपाल के उनके समकक्ष के पी शर्मा ओली ने 10 सितंबर को वीडियो लिंक के जरिये मोतिहारी से अमलेखगंज तक की पेट्रोलियम पाइपलाइन का उद्घाटन किया। यह दक्षिण एशिया में किसी पड़ोसी देश के साथ शुरू होने वाली पहली पाइपलाइन परियोजना है।

दरअसल, बिहार के मोतिहारी से नेपाल के अमलेखगंज के बीच 69 किलोमीटर लंबी सीमापार जाने वाली यह दक्षिण एशिया क्षेत्र की पहली पेट्रोलियम पाइपलाइन परियोजना है। अब तक भारत से नेपाल के लिये टेंकर के जरिये पेट्रोलियम उत्पादों को भेजा जाता रहा है। पाइपलाइन के जरिये हर साल 20 लाख टन पेट्रोलियम उत्पादों को उचित दाम पर नेपाल भेजा जायेगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने नेपाल के साथ मोतीहारी-अमलेखगंज पाइप लाइन का उद्घाटन होने पर प्रसन्नता जाहिर की। उन्होंने कहा, ''मुझे खुशी है कि हम अपने सहयोग के सभी क्षेत्रों में प्रगति कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि हम अपनी भागीदारी को और व्यापक बनाने तथा विविध क्षेत्रों में साझेदारी को और गहरा करने के लिए तेजी से आगे बढ़ेंगे।"

श्री मोदी ने कहा कि नेपाल के प्रधानमंत्री पहले ही कह चुके हैं पाइपलाइन के जरिये पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति से लागत में जो कमी आयेगी उसका लाभ उपभोक्ताओं का दिया जायेगा। ''नेपाल के लोगों को इसका लाभ मिलेगा।"

मोतिहारी-अमलेखगंज पेट्रोलियम पाइपलाइन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जितनी अपेक्षा थी, उससे आधे समय में यह बनकर तैयार हुई है। इसका श्रेय नेपाल सरकार के नेतृत्व उनके सहयोग को और दोनों देशों द्वारा किये गये संयुक्त प्रयास को जाता है।

नेपाल के प्रधानमंत्री श्री के पी शर्मा ओली ने इस अवसर पर पाइपलाइन परियोजना के लिये भारत का आभार जताया। श्री ओली ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी का सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का नारा और मेरा समृद्ध नेपाल, सुखी नेपाल का नारा हमारे अपने देशों में विकास के जरिये बदलाव के प्रयासों को दर्शाता है।" श्री ओली ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को नेपाल आने का निमंत्रण दिया जिसे श्री मोदी ने स्वीकार कर लिया।

श्री मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री को याद दिलाया कि मई 2019 में भारत की उनकी (नेपाल के प्रधानमंत्री की) यात्रा के दौरान, दोनों देश परियोजनाओं को जल्द पूरा करने पर सहमत हुए थे। परियोजना को भारत की 324 करोड़ रुपये की मदद से पूरा किया गया है। परियोजना का प्रस्ताव 1996 में किया गया था और इसमें 2014 में उस समय तेजी आई जब प्रधानमंत्री श्री मोदी ने काठमांडू की यात्रा की थी।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''यह बहुत संतोष का विषय है कि दक्षिण एशिया की यह पहली सीमा पार पेट्रोलियम पाइपलाइन परियोजना रिकॉर्ड समय में पूरी हुई है। जितनी अपेक्षा थी, उससे आधे समय में यह बनकर तैयार हुई है। इसका श्रेय आपके नेतृत्व को, नेपाल सरकार के सहयोग और हमारे संयुक्त प्रयासों को जाता है।" श्री मोदी ने कहा कि 2015 के विनाशकारी भूकंप के बाद जब नेपाल ने पुनर्निर्माण का बीड़ा उठाया, तो भारत ने पड़ोसी और निकटतम मित्र के नाते सहयोग के लिए अपने हाथ आगे बढ़ाये।

गौरतलब है कि भारत-नेपाल ऊर्जा सहयोग परियोजना दोनों देशों के निकट द्विपक्षीय संबंधों की परिचायक है। इससे ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने और पारगमन लागत कम करने में मदद मिलेगी। बिहार के मोतिहारी से नेपाल के अमलेखगंज तक 69 किलोमीटर लम्बी पेट्रोलियम पाइप लाइन का निर्माण भारत ने किया है। इससे नेपाल के लिए समुचित लागत और पर्यावरण अनुकूल पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति सुनिश्चित होगी। ■

हमारे यहां ग्राम पंचायतें स्वतंत्र तथा स्वयंभू इकाइयां रही हैं

दीनदयाल उपाध्याय

जहां तक व्यक्ति स्वातंत्र्य की बात है, हमें यह मानकर चलना होगा कि व्यक्ति सामाजिक नियमों, समन्वय एवं व्यक्ति और समाज के हितों का समर्थन स्वतंत्र बुद्धि से करेगा। उससे कहा गया कि वह अपनी संपूर्ण स्वतंत्रता का उपयोग समाज हित में करेगा। यहां तो स्वतंत्रता ही स्वतंत्रता है; जिसका अर्थ होता है कि 'टारगेट' पूरे करो। हमारा यहीं पर मतभेद है। जो काम राज्य सौंपे, वही हो, यह क्यों? हम कहना चाहेंगे कि धर्म द्वारा निर्देशित कार्य तथा दैनिक जीवन के व्यवहार ही हमें करणीय हैं।

कुटुंब और पंचायत

व्यक्ति से लेकर राज्य तक की अनेक इकाइयां हमने मानी हैं, परंतु राज्य को ही संपूर्ण समाज का प्रतिनिधि तथा एकमात्र इकाई क्यों माना जाए? कुटुंब भी तो एक इकाई है। समाज कुटुंब के द्वारा अपनी इच्छाओं तथा कामनाओं को व्यक्त करता है, बिना इसके समाज पूरा नहीं होता। कुटुंब के ही ऊपर किसी प्रकार का भार अथवा कर्तव्य पूर्ति का दायित्व डाला जा सकता है। इसलिए हम कुटुंब को एक इकाई मानकर चलें, यही नहीं कुटुंब को हमने राजनीतिक तथा सामाजिक दृष्टि से भी एक इकाई माना है। इसी प्रकार हमारे यहां ग्राम पंचायतों को भी एक इकाई माना गया। ये पंचायतें राजाज्ञा पर चलने वाली पंचायतें नहीं हैं। हमारी ये पंचायतें तो स्वयंभू हैं। इसके विपरीत आज ग्राम पंचायतों के लिए 'ऐक्ट' बनते हैं, निर्वाचन होता, राज्य के विधायक व मंत्रिगण इनको बनाते हैं, कर्तव्य तथा अधिकार तय करते हैं, इंस्पेक्टर्स नियुक्त होते हैं तथा पंचों के निकालने की व्यवस्था भी बनाई गई है। जबकि हमारे यहां की ग्राम पंचायतें स्वतंत्र तथा स्वयं-भू इकाइयां रही हैं और जो आदिकाल से चली आती रही हैं। उनका अपना एक स्वतंत्र अस्तित्व है। राजा उन्हें आदेश नहीं दे सकता था। राजा के पास एक समिति रहती थी, जिसमें ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधि बैठते थे तथा इस तरह ग्राम पंचायतों की बात राजा को सुननी होती थी। यह समिति आज की विधानसभा या राज्य परिषद् की तरह क़ानून बनाने के लिए नहीं थी, बल्कि केवल शासन चलाने के लिए एक एक्जीक्यूटिव अथॉरिटी थी, ताकि वह सामूहिक रूप से कार्यपालिका के रूप में काम कर सके। यह प्रतिनिधि राजा के अभिषेक में भाग लेते थे, व्यवस्थाओं में अपनी सम्मति देते थे। स्पष्ट सिद्ध है कि ये लोग राजा की कृपा पर निर्भर नहीं थे, उलटे राजा ही इनके आधार पर खड़ा रहता था।

जात-बाहर करने का भय

ये जनपद और पंचायतें 'टेरीटोरियल' आधार पर बनी थीं। ये इकाइयां प्रादेशिक आधार पर ही अधिष्ठित थीं। कार्य की दृष्टि से इकाइयां और श्रेणियां भिन्न प्रकार की थीं। वे अपने कार्य के आधार पर आचरण-धर्म का निर्धारण करते थे, जिसे 'कोड ऑफ कंडक्ट' कहते हैं। इसके विपरीत काम करने वालों का यह श्रेणी बहिष्कार करती थी, स्वयं दंड देती थी। किसी व्यापारी ने मिलावट का व्यवसाय किया तो श्रेणी उसे जाति बहिष्कृत कर देती थी। इस 'जात-बाहर' करने की प्रथा का बड़ा भय था। यह लोगों को धर्म पर चलने की प्रेरणा देती थी, यद्यपि आज इसमें अनेक विकार आ गए हैं, संकुचितता आ गई, रूढ़िवादिता आ गई, किंतु इसमें अनेक अच्छाइयां हैं, जिन पर हम सोचते नहीं हैं। यह पद्धति सर्वग्राही पद्धति थी और जिसका दंड भी जीवन के ऊपर समग्र रूप से प्रभाव डालता था। क्योंकि उसमें आज की तरह फंक्शनल रिप्रेजेंटेटिव न थे, प्राचीन वर्णन में

भारतीय परंपरा है कि राज्य धर्माधिष्ठित हो, धर्मनिष्ठ हो। अतएव आज भी यदि हम आदर्श जीवन व्यवस्था को लाना चाहते हैं तो धर्म का आधार लेकर ही आएगी। यदि इसके विपरीत हुआ तो वह व्यवस्था लादना होगा, वह ग्राह्य न होगी और न टिकेगी ही। आज के युग में ये बातें कुछ अटपटी सी लग सकती हैं। जहां धर्म को मनुष्य का शत्रु मान लिया गया तो वहां समूचे शासन तंत्र को धर्म पर अधिष्ठित करने की बात जल्दी समझ में नहीं आ सकती। पर हम स्मरण रखें कि जब तक इस समस्या पर इतना मूलगामी विचार नहीं होता, मानव की सर्वांगीण उन्नति का मार्ग अवरुद्ध ही बना रहेगा।

लिखा मिलता है- 'यहां सब जातियों और वर्गों के प्रतिनिधि बैठते थे।" उनकी संख्या भी दी है, प्रतिनिधियों में सर्वाधिक संख्या वैश्य और शूद्रों की थी, जो क्रमशः 21 और 50 रहते थे; शेष ब्राह्मण या क्षत्रिय चार या छह रहते थे। इस स्वाभाविक अनुपात के अनुसार सभी प्रतिनिधि मिलकर एक मंत्रिमंडल बनाते थे, जिसके सहारे राजा राज्य-कार्य संपन्न करता था। इस मंत्रिमंडल को सारे अधिकार होते थे, राजा बिना समिति और मंत्रिमंडल की सहमति के चाहे जो कर डालने में स्वतंत्र न था।

ऐसे चलते थे राज्य

इस संबंध में एक बड़ी सुंदर कथा है। कहते हैं कि सम्राट अशोक ने एक बार यह तय किया कि वह संपूर्ण राज्य की संपत्ति बौद्ध बिहार को भेंट कर देगा। यह प्रस्ताव जब मंत्रिमंडल के समक्ष आया तो उसने ठुकरा दिया। अंत में अशोक ने विवश होकर बौद्ध विहार को एक आंवला भेंट किया और कहा कि "इतना ही केवल मेरा है, शेष सब राज्य की संपत्ति है, मैं कौन हूं जो उसे दे डालूं?" राज्य इसी आधार पर चलते थे। इकाइयों के रूप में हमने उसके क्षेत्र बांटे और उनकी स्वतंत्र व्यवस्था में कभी दखल नहीं दिया।

शिक्षण केंद्रों में कुलपति प्रमुख थे। वही सबके खाने-पीने, पढ़ाई-लिखाई, सब कुछ प्रबंध करते थे। राजा को केवल इस व्यवस्था के लिए धन देना होता था, शेष प्रजा भी उनको धन-संपत्ति दान देती थी। विद्यार्थी ग्रामों में भिक्षा लेने आते थे और सब गृहस्थ भिक्षा देते थे। सभी ध्यान रखते थे कि विद्यार्थी ख़ाली न लौट जाए। कुलपति इसी भांति समाज से, राज्य से सब कुछ संग्रह कर विद्यालय का काम चलाता था। राजा भी यदि पढ़ने जाता तो वही करणीय था उसके लिए। राजा इसमें केवल 'सुपरविज़न' करता था, वह भी धर्म के नियंत्रण से उसका काम राजदंड का पालन भर था। शेष क्षेत्रों में उनकी अपनी स्वतंत्र व्यवस्था थी। जैसा यह था, इसी तरह कुटुंब भी एक स्वतंत्र इकाई थी। उसमें राजा का दख़ल नहीं था। कुटुंब में अव्यवस्था होने पर ही राजदंड का प्रयोग होता था। राजदंड का प्रयोग उस स्थिति में सर्वदा होता भी था।

उन दिनों इस तरह का अपना जो एक समाज था, कह सकते हैं कि उसका कोई केंद्र नहीं था। आजकल इसे विकेंद्रित समाज कहा जाता है, किंतु प्रचलित अर्थों में ऐसी विकेंद्रित अवस्था भी उसमें नहीं थी। विकेंद्रित का अर्थ है- 'यदि एक केंद्र की शक्ति समाप्त हो जाए तो भी वहां केंद्रीकरण नहीं रहे।' वास्तव में इस समाज के अनेक केंद्र रहे हैं। एक व्यक्ति जो अपने परिवार का सदस्य है, पंचायत का अंग है, व्यवसाय श्रेणी में सदस्य है, राज्य का भी अंग है। सबके साथ जीवन में समन्वय बैठाकर काम चलता जाए, ऐसी एक राज्य व्यवस्था अपने यहां रही है। साथ ही एक बात और है कि जो भी राज्य रहा, उसके लिए धर्म का एक ही आदेश रहा कि समुद्र-पर्यंत यह पृथ्वी एक राष्ट्र है, एक राज्य है। अश्वमेध, राजसूय आदि जितने भी अनेक यज्ञ बनाए गए, उनसे राजा के राजदंड के प्रभाव की प्रस्थापना होती थी। राजा जो यज्ञ करता था, वह संपूर्ण भारत को एकता के सूत्र में बांधने का यत्न करता था। राम, कृष्ण आदि अवतारी पुरुषों ने संपूर्ण भारत में एकछत्र राज्य प्रस्थापित किया। भारत की एकता का यह सिद्धांत हम लोगों ने स्वीकार किया। यहां का राज्य अविभाज्य रहा, ऐसा कि जिसका कभी विभाजन या बंटवारा न हो सके। संपूर्ण भारत में एक ही राज्य है, एक ही राज्य रहना चाहिए, एक ही सत्ता रहनी चाहिए, जो कि अनेक सत्ताओं द्वारा बनी हो।

संपूर्ण समाज का काम चलता जाए, इसलिए 'टेरीटोरियल व सेक्शनल' आधारों पर अनेक केंद्रों को जोड़कर राज्य बने, परंतु राज्य की अधिसत्ता एक ही व्यक्ति की रहनी चाहिए। राजनीति का यह आदर्श हमारे पूर्वपुरुषों ने रखा है। भारतीय परंपरा है कि राज्य धर्माधिष्ठित हो, धर्मनिष्ठ हो। अतएव आज भी यदि हम आदर्श जीवन व्यवस्था को लाना चाहते हैं तो धर्म का आधार लेकर ही आएगी। यदि इसके विपरीत हुआ तो वह व्यवस्था लादना होगा, वह ग्राह्य न होगी और न टिकेगी ही। आज के युग में ये बातें कुछ अटपटी सी लग सकती हैं। जहां धर्म को मनुष्य का शत्रु मान लिया गया तो वहां समूचे शासन तंत्र को धर्म पर अधिष्ठित करने की बात जल्दी समझ में नहीं आ सकती। पर हम स्मरण रखें कि जब तक इस समस्या पर इतना मूलगामी विचार नहीं होता, मानव की सर्वांगीण उन्नति का मार्ग अवरुद्ध ही बना रहेगा। ■

-पाञ्चजन्य, नवंबर १०, १९६०

ईपीएफओ सदस्यों को 2018-19 के लिए मिलेगा 8.65 प्रतिशत ब्याज

केंद्रीय श्रम मंत्री श्री संतोष गंगवार ने 17 सितंबर को कहा कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के छह करोड़ से अधिक खाता धारकों को 2018-19 के लिए उनकी भविष्य निधि जमा पर 8.65 प्रतिशत की दर से ब्याज दिया जायेगा।

ईपीएफओ के लिए निर्णय लेने वाले शीर्ष निकाय केंद्रीय न्यासी बोर्ड ने इस साल फरवरी में बीते वित्त वर्ष के लिए 8.65 प्रतिशत की दर से ब्याज देने की अनुमति दी थी। बाद में इस प्रस्ताव को वित्त मंत्रालय की मंजूरी के लिए भेजा गया।

श्री गंगवार ने कहा, ''त्यौहार से पहले की सौगात है। ईपीएफओ के छह करोड़ से अधिक सदस्यों को 2018-19 के लिए 8.65 प्रतिशत की दर से ब्याज दिया जायेगा।" वर्तमान में ईपीएफओ खातों में दावों का निपटान 8.55 प्रतिशत की ब्याज दर पर किया जा रहा है। यह दर 2017-18 के दौरान लागू थी। ■

जेटली सर्वमित्र व सर्वप्रिय थेः नरेन्द्र मोदी

पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अरुण जेटली की स्मृति में भारतीय जनता पार्टी ने 10 सितंबर को दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक प्रार्थना सभा का आयोजन किया। श्री जेटली को याद करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जेटली की कितनी बड़ी कमी उन्हें महसूस होती है, उसे वे शब्दों में नहीं बता सकते।

उन्होंने कहा कि छात्र राजनीति की नर्सरी में पैदा हुए एक पौधे का हिंदुस्तान की राजनीति के विशाल फलक में एक वट वृक्ष बनकर उभरना अपने आप में बहुत बड़ी बात है। श्री अरुण जेटली के जीवन को विविधताओं से भरा हुआ बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें दुनिया के हर चीज की जानकारी थी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि कैबिनेट में उनकी कमी हमेशा खलती रहेगी।

सरकार के अहम फैसलों में श्री जेटली के योगदान को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने उन्हें संसदीय कार्यप्रणाली की इनसाइक्लोपीडिया बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे सर्वमित्र थे, वे सर्वप्रिय थे और वे अपनी प्रतिभा, पुरुषार्थ के कारण जिसको जहां भी उपयोगी हो सकते थे, वे हमेशा उपयोगी होते थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने सोचा नहीं था कि कभी ऐसा भी दिन आएगा कि उन्हें अपने दोस्त को श्रद्धांजलि देने के लिए आना पड़ेगा।

विचारधारा के प्रति श्री जेटली के लगाव का उदाहरण देते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि किस तरह संसद से धारा 370 के निरस्त होने के बाद वे पीएमओ पहुंचे थे। वहां प्रधानमंत्री पहले से ही जेटली से बात कर रहे थे। उस दिन हुई बातचीत का हवाला देते हुए श्री शाह ने कहा कि बातचीत के दौरान यह अहसास ही नहीं हुआ कि वे बीमार हैं। श्री शाह ने कहा कि किस तरह जेटली उनके जीवन के कठिन समय में एक बड़े भाई के समान चट्टान की तरह साथ खड़े रहे। उन्होंने कहा कि जेटली जी ने कभी उन्हें दिल्ली में गुजरात की कमी महसूस नहीं होने दी। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक जीवन में पार्टी लाइन से बाहर जाकर ढेर सारे लोगों से दोस्ती रखना उनकी विशेषता थी।

इस अवसर पर केंद्रीय रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जो भी उनसे मिलता था, स्वाभाविक रूप से उनका कायल हो जाता था। यही उनके साथ भी हुआ और पहली मुलाकात में ही वे जेटली की योग्यता और कार्यक्षमता का कायल हो गए थे। उन्होंने कहा कि किस तरह वाजपेयी सरकार ने वाणिज्य मंत्री के रूप में अरुण जेटली ने विश्व व्यापार संगठन में भारत के किसानों के मुद्दे को पुरजोर पैरवी की थी।

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि श्री अरुण जेटली के रूप में देश ने एक उच्चतम कोटि का नेता असमय खो दिया। उनकी कमी सिर्फ भाजपा को ही नहीं बल्कि राजनीतिक दृष्टि से हर किसी को खलती रहेगी। श्री नड्डा ने कहा श्री अरुण जेटली जी के चले जाने से भाजपा को जो नुकसान हुआ है वो बयान नहीं किया जा सकता। उनका जीवन पार्टी के प्रति समर्पित था। छात्र जीवन में जब युवा अपने करियर को तलाशते हैं, तब वो आपातकाल के दौरान जेल गए। जेपी आंदोलन में उन्होंने कई युवाओं को प्रेरित किया।

श्रद्धांजलि सभा में भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी समेत अनेक केंद्रीय मंत्री, विपक्ष के नेतागण, सांसद और कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। इस सभा में श्री जेटली के परिवारजन भी उपस्थित थे। ■

'मोदी-मोदी' अब यह सिर्फ भारत का स्वर नहीं, वैश्विक स्वर

प्रभात झा

'चाय गरम - चाय गरम' कहते हुए रेलगाड़ी में लोगों को चाय पिलाने वाला अपना भविष्य नहीं, बल्कि भारत का भविष्य संभालेगा, यह कोई सोच नहीं सकता था। मां हीराबेन ने जन्म दिया, पिता दामोदरदास के सान्निध्य में उन्होंने कर्मशील जीवन आरंभ किया। पिता चाय बनाते थे और ये दौड़-दौड़ कर यात्रियों को चाय पिलाते थे। माता-पिता ने इस गरीबी में भी नरेन्द्र को रात-दिन संस्कारित करने का प्रयत्न जारी रखा। गुजरात के मेहसाणा जिले के वडनगर में जन्मा वह नन्हा बालक गरीबी के हर थपेड़े सह रहा था। वो चाय जरूर बेचता था, पर अपने स्वाभिमान को कभी बिकने नहीं दिया। गांव की माटी में पले नरेन्द्र भाई को जब यह समझ में आया कि एक मां ने तो जन्म दिया है, पर दूसरी मां तो भारत माता है, और उसकी सेवा करना भी बतौर भारतीय हमारा कर्तव्य है तो वे अपनी इस समझ को धीरे-धीरे बढ़ाते चले गए। वे बाल्यकाल से ही बड़े निडर थे। कुछ वर्षों बाद भारतीय संस्कृति और हिंदुत्व के लिए काम करने वाली संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा पर नरेन्द्र भाई जाने लगे। परिवार का संस्कार और भारत माता के माटी का संस्कार बढ़ता गया और वे आगे बढ़ते गए। कुछ बड़े हुए तो उन्होंने अपनी समझ बढ़ाई। स्कूली शिक्षा समाप्त कर वे कुछ समय के लिए हिमालय की ओर बढ़ गए। मूल स्वभाव आध्यात्मिक ही रहा।

बचपन से ही ललक थी कैसे मैं मां भारती की सेवा करूं। वे संघ के प्रचारक निकले। वे लोकसंग्रह का कार्य करते रहे। समाज में समरसता को मजबूत करने का काम करते रहे। सत्तर के दशक में जब देश पर आपातकाल थोपा गया तो उन्होंने लोकतंत्र की रक्षा के लिए जबरदस्त संघर्ष किया।

बाद में उनका कार्यक्षेत्र राजनीति हो गया। एक समय आया कि वे गुजरात भाजपा के संगठन मंत्री बने। राजनीति को उन्हें करीब से देखने का मौक़ा मिला। धीरे-धीरे नरेन्द्र भाई घर से दूर और समाज के निकट पहुंचने लगे। संघ का कार्य और बाद में भाजपा का कार्य उनके जीवन का मुख्य हिस्सा बन गया। किसी भी विषय को जानना और समझना उनका स्वभाव रहा। उत्सुकता को उन्होंने कभी कम नहीं होने दिया। उसके बाद गुजरात की राजनीति से संगठन ने उन्हें केंद्र की राजनीति में लाने का निर्णय भी लिया। वे बतौर प्रचारक राष्ट्रीय मंत्री के नाते दिल्ली आ गए। वे अखंड प्रवास करते रहे। संगठन-कार्य को आगे बढ़ाते रहे। वे पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री बने।

डॉ. जोशी द्वारा पूरे भारत में निकाली गई एकात्मता यात्रा के वे प्रभारी भी बने। उनका अखिल भारतीय स्वरूप धीरे-धीरे उभरता गया। जम्मू-कश्मीर के लाल चौक पर तिरंगा कभी फहराया नहीं जाता था, वहां जोशीजी के साथ उन्होंने तिरंगा फहराया। उनकी संगठन कुशलता, उनकी कार्यपद्धति, उनकी कार्य-योजकता और उनकी कार्यक्षमता सबको समझ में आ रही थी। राजनीति में नए प्रयोग करना और उन प्रयोगों के माध्यम से पार्टी का विस्तार करना उनकी मूल प्रकृति रही। अनेक राज्यों में प्रभारी के तौर पर सघन प्रवास कर पार्टी को सशक्त किया। इसी बीच गुजरात में भाजपा सरकार संक्रमण काल से गुजर रही थी। अटलजी प्रधानमंत्री थे। उन्होंने आडवाणीजी से चर्चा कर नरेन्द्र मोदी को गुजरात के मुख्यमंत्री का दायित्व सौंपा।

नरेन्द्र भाई का बतौर मुख्यमंत्री शासन-प्रशासन, विकास का नजरिया लोगों ने देखना शुरू किया। वे शुरू से धुनी रहे हैं। वे जुट गए गुजरात के विकास पर। गुजरात के विकास के नए-नए आयाम उन्होंने तय किये। एक मुख्यमंत्री अपने राज्य को भारत के सभी राज्यों से आगे कैसे ले जा सकता है, इसका अनोखा और अनुपम उदाहरण उन्होंने प्रस्तुत किया। देश के सर्वश्रेष्ठ मुख्यमंत्रियों में उनके नाम की चर्चा शुरू होने लगी। इसी बीच गुजरात में गोधरा काण्ड हो गया। विरोधी बहुत हावी हुए। क्या-क्या नहीं किया। पर अटलजी के कथनानुसार नरेन्द्र मोदी 'राजधर्म का पालन' करते रहे। आंतरिक और बाहरी विरोधों के बावजूद वे सोने की तरह तपकर निकले और पुनः गुजरात में अपनी सरकार बनाकर अपनी साख को बढ़ाया। वे गुजरात के लोगों के मसीहा बन गए। उन्होंने गुजरात का इतना विकास किया कि धीरे-धीरे उनके विरोधी भी दम तोड़ते चले गए। उनकी सफलता ने न केवल गुजरात की बल्कि उनके स्वयं के कार्य करने की पद्धति निरंतर चर्चा में आती रही। केंद्र में यूपीए सरकार रही पर उन्होंने गुजरात में भाजपा सरकार को कभी केंद्र सरकार के आगे झुकने नहीं दिया। वे सभी बाधाओं को पार करते हुए अपने सभी सहयोगियों के साथ आगे बढ़ते गए, लेकिन एक समय ऐसा भी आया जब उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी और वर्तमान में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर विरोधी दल के नेतागण झूठे आरोप लगाकर वार करते रहे, पर न नरेन्द्र मोदी झुके और न अमित शाह।

गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने। एक अभिनव नायक के रूप में वो देश के सामने उभरकर आये। विपक्ष धराशायी हुआ। भाई नरेन्द्र मोदी ने भारत के विकास की एक नई गाथा लिखनी शुरू की। लालकिले की प्राचीर से दिया गया उनका पहला भाषण जहां 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' को पुष्ट करने वाला रहा, वहीं एकात्म मानववाद और अन्त्योदय के सपने को भी साकार करता हुआ दिखाई पड़ा। लाल किले से वे वैसे नहीं बोले जैसे पूर्व के प्रधानमंत्री बोलते थे। उन्होंने भारत के आम आदमी की नब्ज टटोली। भारत के गांव और कृषि को आधार बनाया। भारत में नारकीय जीवन जी रहे लोगों के जीवन में नया सवेरा लाने का प्रयास किया। उसी में से निकली शौचालय योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छता अभियान, जन धन योजना, आयुष्मान योजना, मुद्रा योजना, अटल पेंशन योजना, जीवन ज्योति योजना, 60 से अधिक उम्र के किसान और व्यवसायी परिवार को पेंशन, किसान सम्मान निधि योजना, न्यूनतम समर्थन मूल्य को फसल की लागत से डेढ़ गुना करने के साथ-साथ नोटबंदी और जीएसटी, एक साथ 104 उपग्रह छोड़ने, मंगलयान, चंद्रयान-1 और चंद्रयान-2 जैसे अकल्पनीय, अद्भुत, अविस्मरणीय निर्णय लेकर उन्होंने इतिहास रच दिया।

भारत माता के सच्चे सपूत नरेन्द्र मोदी ने बिना युद्ध किये पकिस्तान को ईंट का जवाब पत्थर से दिया। जब उरी की घटना हुई तब सर्जिकल स्ट्राइक कर पाकिस्तान के भीतर जाकर आतंकियों को मार कर भारत का मस्तक ऊंचा किया। पुलवामा की घटना जब घटी तब एयर स्ट्राइक कर भारत ने विश्व में अपनी धाक जमाई। यह अदम्य साहस दिखाकर जो काम नरेन्द्र मोदी ने किया, उसकी सराहना हर भारतीय ने की। वहीं विश्व में सभी राष्ट्र भारत के साथ खड़े हुए।

विश्व के रंगमंच पर अगर नजर दौड़ाएं तो अपने साढ़े पांच साल के कार्यकाल में नरेन्द्र मोदी ने विश्व के अनेक राष्ट्रों का दौरा कर उन राष्ट्रों के मन को जीतने का भरसक प्रयत्न किया। आज स्थिति यह है कि चाहे जी-20 की बैठक हो, ब्रिक्स की बैठक हो, बिम्सटेक की बैठक हो, ईस्टर्न इकॉनमी फोरम की बैठक हो या फिर यूएन की बैठक हो, विश्व नरेन्द्र मोदी का इंतजार करता है और उनके मंच पर आते ही सैंकड़ों राष्ट्र रोमांचित हो जाते हैं। सात से अधिक मुस्लिम राष्ट्रों ने अब तक अपने सर्वोच्च सम्मान से नरेन्द्र मोदी को नवाजा है। दो-तीन मुस्लिम राष्ट्र ने तो मंदिर बनाना शुरू भी कर दिया है। अमेरिका, रूस और फ्रांस जैसे विकसित राष्ट्रों ने भी अपने देश का सम्मान नरेन्द्र मोदी के नाम किया है।

21 जून को योग दिवस आज विश्व भर में नरेन्द्र मोदी के प्रयत्न से मनाया जाता है। नरेन्द्र भाई ने सभी राष्ट्राध्यक्षों को गीता प्रदान कर उन्हें "कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन" का संदेश देने की कोशिश की। चाहे भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की बात हो, विश्व में सबसे तेज गति से विकसित होने वाली अर्थव्यवस्था बनाने की बात हो, व्यापार सुगमता की रैंकिंग में सुधार की बात हो या फिर विश्व को जलवायु परिवर्तन के हानिकारक प्रभावों से बचाने की बात हो या फिर विश्व को आतंकवाद और गरीबी से मुक्त करने की बात हो, कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं बचा है जिसमें भारत का मस्तक ऊंचा करने के लिए नरेन्द्र भाई ने कसर छोड़ी हो।

कल तक भारत के लोग यह कहा करते थे कि अमेरिका, चीन, रूस, जापान, जर्मनी, फ्रांस की कतार में भारत कब खड़ा होगा। आज भारत के नरेन्द्र मोदी ने हमारे देश को उस कतार में खड़ा कर दिया है। विश्व में लोग अब यह चर्चा नहीं करते कि ट्रम्प, पुतिन दमदार हैं, बल्कि आज विश्व में यह कहते हैं कि किसी भी राष्ट्र का राष्ट्राध्यक्ष या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जैसा होना चाहिए। आज यह वैश्विक चर्चा का विषय बना हुआ है।

नरेन्द्र मोदीजी ने एक दिन का भी विराम नहीं किया। अनवरत चलते रहना दीनदयालजी के आदर्श 'चरैवेति चरैवेति' को उन्होंने जिंदगी का पर्याय बना लिया। जिस भाजपा को कांग्रेस सहित कुछ अन्य राजनीतिक दल सदैव सांप्रदायिक कहते रहे, नरेन्द्र मोदी पर खासकर यह लेबल चिपकाते रहे, वही नरेन्द्र मोदी करोड़ों मुस्लिम महिलाओं के लिए मसीहा बनकर उभरे। तीन तलाक को मुस्लिम महिलाओं की जिंदगी से हटा दिया। इस अमानवीय तीन तलाक को ख़त्म कर मुस्लिम महिलाओं के बीच मानवता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। इससे विश्व के अन्य मुस्लिम देशों में भी इस बात का तिलिस्म टूट गया कि भाजपा एक सांप्रदायिक पार्टी है।

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री की भूल जो शूल बनकर भारत माता के जीवन में चुभ रही थी उस धारा 370 को निरस्त कर दिया। ऐसा करके उन्होंने 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे' का उद्घोष करनेवाले जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी, जिनकी जम्मू-कश्मीर में रहस्यमयी मौत हो गई, के सपने को साकार किया। संविधान में एक अस्थायी धारा 370 को 70 साल बाद हटाकर 130 करोड़ भारतवासियों का न केवल मन जीता, बल्कि विश्व में यह संदेश दिया कि राष्ट्रहित में निर्णय लेने वाली मोदी सरकार दमदार सरकार है।

आजादी के बाद से सदैव आंख दिखाने वाला पकिस्तान, जो चार बार युद्ध में चित हो चुका है, वह अपने ही कर्मों से अपनी ही धरती पर आज अंतिम सांसें ले रहा है। विश्व में पाकिस्तान को अलग-थलग करने में किसी को श्रेय जाता है तो उसका नाम है भारत का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी।

भाजपा ने पिछली बार भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को सेवा सप्ताह के रूप में मनाया था। इस बार भी उनके जन्मदिन को सेवा सप्ताह के रूप में मनाया गया है। वे अब सिर्फ भारतीय जनता पार्टी की संपत्ति नहीं हैं। अब भारत की संपत्ति बन गए हैं। उनके रख-रखाव की चिंता देश के 130 करोड़ लोगों ने शुरू कर दी है। ■

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य हैं)

हमारी भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई की प्रतिबद्धता अटल है: नरेन्द्र मोदी

नवनिर्मित झारखंड विधानसभा भवन का उद्घाटन समेत कई योजनाओं का शुभारंभ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12 सितंबर को रांची में कहा कि उनकी सरकार ने पहले सौ दिनों में आतंकवाद एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने, मुस्लिम बहनों के हितों की रक्षा तथा जम्मू कश्मीर को विकास की ऊंचाई पर ले जाने के लिये कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि 'इन सभी मामलों में देश ने अभी उनकी सरकार का बस ट्रेलर देखा है, पूरी फिल्म तो अभी बाकी है।'

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रांची की अपनी एकदिवसीय यात्रा के दौरान झारखंड के नव निर्मित विधानसभा भवन का उद्घाटन करने समेत कई योजनाओं का शुभारंभ करते हुए यह बात कही। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना, खुदरा व्यापारिक एवं स्वरोजगार पेंशन योजना एवं आदिवासी छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए एकलव्य मॉडल विद्यालय का भी शुभारंभ किया।

श्री मोदी ने कहा, ''आतंकवाद एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने का हमारा संकल्प है।" उन्होंने कहा इसी उद्देश्य से जम्मू-कश्मीर में उनकी सरकार ने अनुच्छेद 370 एवं 35ए जैसे प्रावधानों को खत्म करने का काम किया है। आतंकवाद के खिलाफ कानून को संसद के पहले सत्र में ही सख्त बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख को विकास की ऊंचाई पर ले जाना चाहती है और इन कदमों के साथ इसकी शुरुआत कर दी गयी है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के अनेक वर्ग विकास की धारा से कटे हुए थे। उन्हें 370 जैसे प्रावधान हटाये जाने से विकास की मुख्य धारा में लाया जा सकेगा और पूरे राज्य का तेजी से विकास किया जा सकेगा।

श्री मोदी ने कहा, "उनकी सरकार ने दूसरी पारी प्रारंभ करते ही भ्रष्टाचार के खिलाफ भी निर्णायक लड़ाई छेड़ दी है। भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को उनकी सही जगह पहुंचाने का काम तेजी से चल रहा है। कुछ लोग अपने उचित जगह पहुंच भी गये हैं।"

प्रधानमंत्री ने कहा, "हमारी भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई की प्रतिबद्धता अटल है। कुछ लोगों ने इस देश में अपने आप को कानून और अदालतों से भी ऊपर समझ लिया था। आज वही लोग अदालतों से जमानत की गुहार लगा रहे हैं।"

उन्होंने तीन तलाक जैसी प्रथा से मुस्लिम महिलाओं के हितों की रक्षा के लिए संसद के पहले ही सत्र में कानून पारित किये जाने

की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा, ''मेरी सरकार ने पहले सौ दिनों में ही मुस्लिम बहनों के हितों की रक्षा के लिए यह बड़ा कदम उठाया जबकि प्रमुख विपक्षी दलों ने सरकार का साथ नहीं दिया।"

प्रधानमंत्री ने झारखण्ड विधानसभा के नये भवन के उद्घाटन के बाद साहेबगंज में मल्टी मोडल बंदरगाह का उद्घाटन किया और कहा कि यह झारखंड ही नहीं देश के विकास में बहुत महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि आज देश जितनी तेजी से चल रहा है, हर क्षेत्र में विकास कर रहा है उतनी गति से इतिहास में देश कभी नहीं चला था।

श्री मोदी ने कहा कि देश हर क्षेत्र में विकास कर रहा है और गरीबों और किसानों की कल्याण योजनाएं तेजी से लागू की जा रही हैं। इससे पूर्व प्रधानमंत्री ने 1238 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले झारखण्ड सचिवालय के नए भवन का भी शिलान्यास किया।

श्री मोदी ने अप्रैल 2017 में साहिबगंज मल्टी-मोडल टर्मिनल की आधारशिला रखी थी, जिसका निर्माण लगभग दो वर्षों की रिकॉर्ड अवधि में 290 करोड़ रुपये की लागत से हुआ है। यह जल मार्ग विकास परियोजना (जेएमवीपी) के तहत गंगा नदी पर बनाए जा रहे तीन मल्टी-मोडल टर्मिनलों में से दूसरा टर्मिनल है। इससे पहले नवम्बर, 2018 में प्रधानमंत्री ने वाराणसी में पहले मल्टी-मोडल टर्मिनल (एमएमटी) का उद्घाटन किया था।

साहिबगंज स्थित मल्टी-मोडल टर्मिनल झारखंड एवं बिहार के उद्योगों को वैश्विक बाजार के लिए खोलेगा और इसके साथ ही जलमार्ग के जरिए भारत-नेपाल कार्गो कनेक्टिविटी सुलभ कराएगा। यह राजमहल क्षेत्र स्थित स्थानीय खदानों से विभिन्न ताप विद्युत संयंत्रों को घरेलू कोयले की ढुलाई करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस टर्मिनल के जरिए कोयले के अलावा स्टोन चिप्स, उर्वरकों, सीमेंट और चीनी की भी ढुलाई किए जाने की आशा है।

श्री मोदी ने कहा कि मल्टी-मोडल टर्मिनल से इस क्षेत्र में लगभग 600 लोगों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार और तकरीबन 3000 लोगों के लिए अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की आशा है। नये मल्टी-मोडल टर्मिनल के जरिए साहिबगंज में सड़क-रेल-नदी परिवहन के संयोजन से अंदरूनी इलाकों का यह हिस्सा कोलकाता एवं हल्दिया और उससे भी आगे बंगाल की खाड़ी से जुड़ जाएगा। इसके अलावा साहिबगंज नदी-समुद्र रूट से बांग्लादेश होते हुए पूर्वोत्तर राज्यों से भी यह जुड़ जाएगा।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री श्री रघुवर दास ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना के लिए झारखंड में एक लाख नौ हजार से अधिक किसानों का पंजीकरण हो चुका है।

प्रधानमंत्री ने यहां से देश के खुदरा व्यापारिक दुकानदार एवं स्वरोजगार पेंशन योजना की भी शुरुआत की। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी के बाद पहली बार किसी सरकार ने देश के खुदरा व्यापार करने वाले दुकानदार, स्वरोजगार करने वाले को पेंशन की योजना से जोड़ने की पहल की है।

इसके अलावा प्रधानमंत्री ने इस मौके पर देश के जनजातीय क्षेत्रों में 462 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का आनलाइन शुभारंभ किया जिनमें से 69 का उन्होंने झारखंड में आनलाइन शिलान्यास भी किया।

उन्होंने कहा कि इन विद्यालयों में केन्द्र सरकार प्रति छात्र प्रति वर्ष एक लाख रुपये व्यय करेगी जिससे आदिवासी छात्रों का संपूर्ण विकास हो सके और वह देश के विकास में सहभागी बन सकें। यह 69 विद्यालय झारखंड के 13 जिलों में खोले जा रहे है।

इससे पूर्व जनजातीय मामलों के केन्द्रीय मंत्री श्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को शहरों की तरह ही गांव में ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, इसीलिए एकलव्य विद्यालय खोले जा रहे हैं। जनजातीय क्षेत्रों का विकास सरकार की विशेष प्राथमिकता है। ■

राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण और राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम का शुभारंभ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 11 सितंबर को मथुरा में देश में पशुओं के खुरपका और मुंहपका रोग (एफएमडी) और ब्रूसेलोसिस के नियंत्रण और उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएसीडीपी) की शुरुआत की।

पूर्णतः केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम की व्यय राशि 12652 करोड़ रुपये है। इन दोनों बीमारियों में कमी लाने के प्रयास के तहत देशभर में 60 करोड़ से अधिक पशुओं का टीकाकरण किया जाएगा।

श्री मोदी ने टीकाकरण और रोग प्रबंधन, कृत्रिम गर्भाधान और उत्पादकता पर राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम और देश के सभी 687 जिलों के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों में एक राष्ट्रव्यापी कार्यशाला की भी शुरुआत की।

एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 'पर्यावरण और पशुधन हमेशा ही भारत की आर्थिक सोच और इसके दर्शन के केन्द्र में रहे हैं। इसीलिए, चाहे स्वच्छ भारत अथवा जल जीवन अभियान हो अथवा कृषि और पशुपालन को बढ़ावा देने की बात हो, हम हमेशा प्रकृति और अर्थव्यवस्था के बीच संतुलन कायम रखने की कोशिश करते हैं।'

श्री मोदी ने देश में प्लास्टिक के एकल इस्तेमाल में कमी लाने पर जोर देते हुए स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम की भी शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हम सभी को यह प्रयास करना चाहिए कि इस वर्ष 2 अक्टूबर तक हमारे घरों, कार्यालयों, कार्यस्थलों को प्लास्टिक के एकल इस्तेमाल से छुटकारा मिले।

उन्होंने सभी स्वयं सहायता समूहों, नागरिक समाज, गैर-सरकारी संगठनों, महिलाओं एवं युवाओं के संगठनों, महाविद्यालयों, विद्यालयों, प्रत्येक सरकारी और निजी संगठनों, प्रत्येक व्यक्ति से अपील करते हुए प्लास्टिक के एकल इस्तेमाल को रोकने के इस अभियान में शामिल होने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें प्लास्टिक बैगों के लिए सस्ते और आसान विकल्पों को ढूंढ़ना चाहिए और हमारे स्टार्ट-अप उद्योगों के माध्यम से बहुत से समाधान निकाले जा सकते हैं।

श्री मोदी ने पशुओं के स्वास्थ्य, पोषण और दूध उत्पादन से संबंधित कई अन्य कार्यक्रमों की भी शुरुआत की। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने में पशुपालन और अन्य संबंधित क्रियाकलापों को अत्यधिक भूमिका है और पुशपालन, मछलीपालन, मधुमक्खी पालन आदि में निवेश करने से अधिक लाभ प्राप्त होते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में हम खेती और क्रियाकलापों के संदर्भ में एक नई पहुंच के साथ आगे बढ़े हैं और पुशधन, दूध उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार लाने और उनकी विविधता के क्रम में आवश्यक कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पशुओं के लिए हरे चारे और पोषक आहार की नियमित आपूर्ति के लिए एक समुचित समाधान ढूंढ़ने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में दुग्ध क्षेत्र के विस्तार के लिए नवाचार और नई प्रौद्योगिकी समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमारे गांवों से इस प्रकार की नई खोजें की जाएं, इसके लिए हमने 'स्टार्ट-अप ब्रांड चैलेंज' की शुरुआत की है।

प्रधानमंत्री ने युवाओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनकी अवधारणाओं को आगे ले जाने और उनके लिए समुचित निवेश जुटाने के लिए गंभीरतापूर्वक विचार किया जाएगा। इससे रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे। ■

बेहतर संबंधों के लिए दोनों देशों की संवेदनशीलता और आकांक्षाओं का सम्मान जरुरी

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव श्री अरुण सिंह के नेतृत्व में पार्टी का ग्यारह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल कम्युनिस्ट पार्टी आफ चाइना के निमंत्रण पर 26 अगस्त से 01 सितंबर, 2019 तक चीन के दौरे पर गया था। इस प्रतिनिधिमंडल ने बीजिंग, गुआंगज़ौ और चीन के अन्य स्थानों का दौरा किया। बातचीत के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों की "संवेदनशीलता और आकांक्षाओं" का सम्मान कर बेहतर संबंधों को स्थापित किया जा सकता है। जबकि व्यापार घाटे में कमी के लिए फार्मास्यूटिकल्स, कृषि और पर्यटन जैसे क्षेत्र में अधिक सहयोग करने का प्रस्ताव भी रखा गया।

दोनों राजनीतिक दलों के बीच यह यात्रा लगभग एक दशक के अंतराल के बाद हुई है, साथ ही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच 10-12 अक्टूबर के बीच ममल्लापुरम में होने वाले अनौपचारिक शिखर सम्मेलन के दूसरे संस्करण के लिहाज से भी इस बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा हैं।

इस प्रतिनिधिमंडल में श्री अरुण सिंह के साथ ही भाजपा के विदेश मामलों के विभाग के प्रभारी श्री विजय चौथाईवाले, आर्थिक मामलों के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री गोपाल अग्रवाल, पार्टी के सांसद श्री शिवकुमार उदासी (कर्नाटक), श्री सुरेश पुजारी (ओडिशा), श्री रक्षा खडसे (महाराष्ट्र), श्री विवेक नारायण शेजवलकर (मध्य प्रदेश), श्री महेश पोद्दार (राज्यसभा), चंडीगढ़ भाजपा अध्यक्ष श्री संजय टंडन, दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता श्री अशोक गोयल और दिल्ली भाजयुमो सचिव नीतू डबास भी चीन यात्रा पर गए थे।

प्रतिनिधिमंडल ने सीपीसी स्थायी समिति के सदस्य ये झिनकिन, गुओ येओझो (आईडीसीपीसी के उपाध्यक्ष) और सांग ताओ, मंत्री आईडीसीपीसी के साथ मुलाकात कर भाजपा अध्यक्ष एवं गृहमंत्री श्री अमित शाह द्वारा राष्ट्रपति शी जिनपिंग को लिखा एक पत्र भी सौंपा। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि सीपीसी के सदस्यों के साथ हुई बैठकों में अनुच्छेद 370 को लेकर बातचीत भी हुई, इस दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अपनी बात को स्पष्टता से रखते हुए कहा कि "प्रत्येक देश को दूसरे देश की संवेदनाओं और आकांक्षाओं का सम्मान करना चाहिए" और यह फैसला किसी भी तरह से दोनों देशों के परस्पर संबंधों को प्रभावित नहीं करता है। बीजेपी के प्रतिनिधिमंडल ने पाकिस्तान के संदर्भ में कहा कि अगर चीन भारत की भावनाओं को आहत कर "किसी ऐसे देश का पक्ष लेगा जो आतंक को बढ़ावा दे रहा है" तो यह हमारे आपसी संबंधों को चोट पहुंचाने वाला होगा।

भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने भारत से आयात बढ़ाने के उपाय करने का आग्रह किया ताकि 57.86 अरब डॉलर के व्यापार घाटे को कम किया जा सके।

मीडिया से बातचीत के दौरान श्री अरुण सिंह ने कहा,' हमारे इस फैसले के बाद किसी देश के क्षेत्र में कोई बदलाव नहीं हुआ है और अनुच्छेद 370 को हटाने का फैसला राज्य के लोगों के कल्याण को देखते हुए ही लिया गया है'।

इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा रहे श्री विजय चौथाईवाले ने कहा कि यूएनएससी के घटनाक्रमों के बावजूद भाजपा ने इस दौरे को जारी रखने का फैसला लिया, जो यह स्पष्ट करता है कि सत्ताधारी पार्टी "संवाद के लिए उत्सुक" थी।

श्री चौथाईवाले के मुताबिक इस यात्रा का एक और आकर्षण वह पत्र भी रहा जो भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह द्वारा चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग को लिखा गया। सीपीसी नेतृत्व को सौंप इस पत्र में श्री शाह ने स्पष्ट रूप से कहा कि दोनों दलों के बीच परस्पर संवाद होनी चाहिए।

सीपीसी के निमंत्रण पर चीन पहुंचे श्री अरुण सिंह ने इस यात्रा को "बेहद सफल" बताया, उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं का स्पष्ट मत है कि कृषि उत्पादों, फार्मास्युटिकल और पर्यटन के माध्यम से दोनों देशों के बीच बढ़ते व्यापार घाटे को कम करने की दिशा में काम किया जा सकता है। ■

राजनाथ सिंह हल्के लड़ाकू विमान 'तेजस' में उड़ान भरने वाले पहले रक्षामंत्री बने

श्री राजनाथ सिंह हल्के लड़ाकू विमान 'तेजस' में उड़ान भरने वाले देश के पहले रक्षामंत्री बने। उन्होंने 19 सितंबर को बेंगलूरु के हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के हवाई हड्डे पर एयर वाइस मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी के साथ स्वदेशी तकनीक से निर्मित बहुद्देश्यीय लड़ाकू विमान 'तेजस' में आधे घंटे तक उड़ान भरी।

श्री सिंह ने तेजस की अपनी इस उड़ान को बहुत ही रोमांचकारी अनुभव बताया। उन्होंने तेजस जैसा विमान बनाने के लिए हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन तथा एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी को बधाई दी। श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत में बने तेजस विमान की मांग कई देशों से आई है। उन्होंने कहा कि यह गौरव की बात है कि आज भारत में बने लड़ाकू विमान तथा हथियार और गोला- बारुद दुनिया के कई देशों में निर्यात किए जा सकते हैं।

रक्षामंत्री ने भारतीय वायुसेना, थल सेना और नौसेना की उनकी व्यावसायिक कुशलता, साहस और पराक्रम के लिए सराहना करते हुए कहा, 'मुझे अपने सशस्त्र बलों के सैनिकों पर गर्व है।' एयर वाइस मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने कहा कि उड़ान के दौरान रक्षामंत्री ने कुछ देर के लिए 'तेजस' का नियंत्रण संभाला। उन्होंने कहा कि श्री राजनाथ सिंह विमान की गुणवत्ता और आसान संचालन की खूबी को देखकर काफी प्रसन्न हुए।

'तेजस' में उड़ान भरने से पहले वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा रक्षामंत्री को विमान की बनावट और चलाए जाने के तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। रक्षा विभाग के अनुसंधान और विकास इकाई के सचिव तथा रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के अध्यक्ष डॉ. जी.सतीश तथा हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री आर.माधवन के साथ दोनों विभागों के कई वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर उपस्थित थे।

तेजस एक कई खूबियों से लैस एक बहुद्देश्यीय लड़ाकू विमान है। इसने देश की वायुसैनिक क्षमताओं को और मजबूत बनाया है। ■

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में अभाविप की अध्यक्ष सहित तीन पदों पर शानदार जीत

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव (डूसू) में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् ने अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और संयुक्त सचिव पद पर शानदार जीत हासिल की। जबकि एनएसयूआई को सचिव पद से संतोष करना पड़ा।

अभाविप के श्री अक्षित दहिया डूसू के अध्यक्ष, श्री प्रदीप तंवर उपाध्यक्ष, सुश्री शिवांगी खरवाल संयुक्त सचिव और एनएसयूआई के श्री आशीष लांबा सचिव चुने गए। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के श्री अक्षित दहिया ने अध्यक्ष पद के लिए नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) की सुश्री चेतना त्यागी को 19 हजार मतों से पराजित किया, जो हाल के समय में जीत का सर्वाधिक अंतर है।

भाजपा ने दी बधाई

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में जीत पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह जीत न केवल हमारे युवाओं के राष्ट्रवाद के प्रति असीम विश्वास का प्रमाण है, बल्कि इस बात का भी प्रमाण है कि राष्ट्र निर्माण के प्रति नया भारत कितना प्रतिबद्ध है।

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने ट्वीट किया, दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रसंघ चुनावों में 3 पदों (अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं संयुक्त सचिव) पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को ऐतिहासिक विजय प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई। ये युवा हमारे देश का भविष्य हैं और परिषद से निकला हर कार्यकर्ता समाज और संगठन को समर्पित है। यह छात्रों में राष्ट्रवादी विचारधारा की जीत है। एबीवीपी छात्र जीवन में राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत कर, सही दिशा, दृष्टि प्रदान कर राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की परिकल्पना को साकार करने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि उन्हें गर्व है इस परिवार में सीखने और कार्य करने का अवसर मिला। ■

भारत 2030 तक 26 मिलियन हेक्टेयर डीग्रेडेड भूमि को ठीक करेगाः नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 9 सितंबर को एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा में 14वें मरुस्थलीकरण रोकथाम पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (कॉप-14) की उच्चस्तरीय बैठक का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सेंट विंसेंट और ग्रेनाडिनेस के प्रधानमंत्री श्री राल्फ गोंज़ाल्विस, संयुक्त राष्ट्र संघ की उप-महासचिव सुश्री अमीना जेन मोहम्मद, यूएनसीसीडी के कार्यकारी सचिव श्री इब्राहीम थैव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री श्री बाबू सुप्रियो और अन्य विशिष्टजन उपस्थित थे।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने रियो सम्मेलन के सभी तीन प्रमुख विषयों को समाधान करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि सभी तीन सम्मेलनों के लिए कॉप के जरिए भारत ने वैश्विक बैठकों की मेज़बानी की है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'आगे कदम बढ़ाते हुए भारत को जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और भूमि क्षरण के मुद्दों को हल करने में दक्षिण-दक्षिण सहयोग के लिए पहलों का प्रस्ताव करने में खुशी होगी।'

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने घोषणा की, 'भारत अब से 2030 तक 21 मिलियन हेक्टेयर से 26 मिलियन हेक्टेयर तक की डीग्रेडेड भूमि को ठीक करने की महत्वाकांक्षा रखता है।' इसके मद्देनजर अत्यंत डीग्रेडेड भूमि के 26 मिलियन हेक्टेयर रकबे की भूमि उत्पादकता तथा जैव प्रणाली को बहाल करने पर ध्यान दिया जाएगा। इसके तहत डीग्रेडेड कृषि योग्य, वन और अन्य परती जमीनों को केन्द्र में रखा जाएगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भूमि क्षरण नियंत्रण लक्ष्य निर्धारण कार्यक्रम के संबंध में यूएनसीसीडी के सदस्य देशों के क्षमता निर्माण तथा समर्थन के लिए एक वैश्विक तकनीकी समर्थन संस्थान बनाने के भारतीय प्रस्ताव की घोषणा की। उन्होंने कहा, 'मुझे यह बताने में हर्ष हो रहा है कि भारत को सस्ती उपग्रह और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के जरिए भूमि उद्धार रणनीतियों के विकास के लिए अन्य मित्र देशों की सहायता करने में खुशी होगी।'

जल की भूमिका के महत्व को रेखांकित करते हुए श्री नरेन्द्र मोदी ने यूएनसीसीडी के नेतृत्व का आह्वान किया कि वह एक वैश्विक जल एजेंडा के बारे में विचार करे, जो भूमि क्षरण नियंत्रण रणनीति के लिए जरूरी है।

उन्होंने कहा, 'जब हम डीग्रेडेड भूमि की समस्या हल करते हैं, तो हम जल की कमी की समस्या भी हल करते हैं। जलापूर्ति बढ़ाना, जल की पुनः पूर्ति करना, जल अपव्यय को कम करना और मिट्टी की नमी को कायम रखना, भूमि तथा जल रणनीति का अहम हिस्सा है।'

प्रधानमंत्री ने एक बार इस्तेमाल करने योग्य प्लास्टिक के खतरे को दूर करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा, 'मेरी सरकार ने घोषणा की है कि भारत आने वाले वर्षों में एक बार इस्तेमाल करने वाले प्लास्टिक को समाप्त करेगी। मेरा मानना है कि समय आ गया है कि विश्व भी एक बार इस्तेमाल योग्य प्लास्टिक को अलविदा कह दे।'

श्री प्रकाश जावडेकर ने अपने वक्तव्य के शुरुआत में हरित गतिविधियों के प्रति प्रधानमंत्री के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री ने पेरिस शिखर वार्ता में अग्रणी भूमिका निभाई थी। वे 175 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन प्राप्त करने के भारत के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम की प्रेरक शक्ति हैं।'

पर्यावरण मंत्री ने कहा कि कॉप-14 पर्यावरण संबंधी अति महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करने के लिए एक विश्व मंच के रूप में उभरा है।

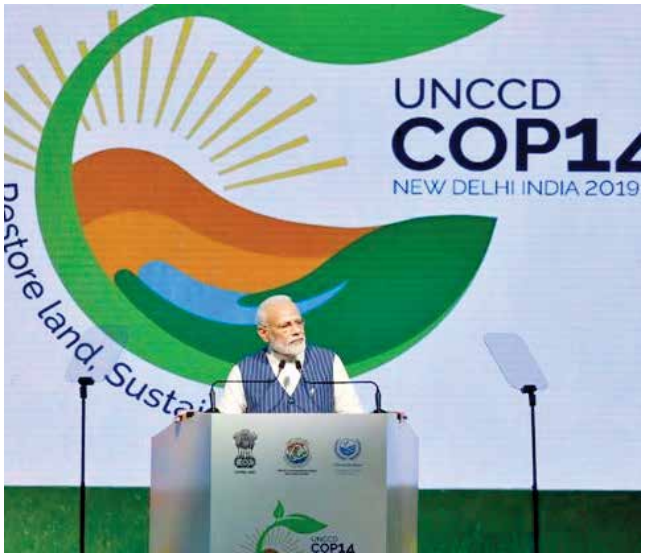

उन्होंने कहा, 'विश्व भर के 190 से अधिक देश, 100 मंत्री और 8000 भागीदार यूएनसीसीडी कॉप-14 में भूमि बहाली और जलवायु के संवर्धन पर चर्चा करने तथा इस दिशा में काम करने के लिए एकजुट हुए हैं।'

सेंट विंसेंट और ग्रेनाडिनेस के प्रधानमंत्री श्री राल्फ गोंज़ाल्विस ने विस्तार से जलवायु परिवर्तन और मरुस्थलीकरण पर बात की। उन्होंने इन मुद्दों को हल करने के संबंध में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, 'हम सब जलवायु परिवर्तन के मुद्दों को हल करने तथा यूएनसीसीडी कॉप-14 को अग्रणी बनाने के लिए एकजुट हैं। मैं पर्यावरण की दिशा में भारत सरकार की भूमिका और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहलों की कद्र करता हूं।' ■

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एक करोड़ लाभार्थियों तक पहुंची

गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए सरकार की अग्रणी योजना-प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई)- एक करोड़ से अधिक लाभार्थियों तक पहुंच गई है। योजना के अन्तर्गत कुल 4,000 करोड़ से अधिक राशि लाभार्थियों को वितरित की गई है।

पीएमवीवाई प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजना है, जिसके अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को नकद लाभ सीधे उनके बैंक खाते में भेजा जाता है ताकि वे पौष्टिकता आवश्यकताओं को बढ़ा सकें और मजदूरी नुकसान की आंशिक भरपाई कर सकें। यह योजना 01-01-2017 से लागू की गई है।

योजना के अंतर्गत उन गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को तीन किस्तों में पांच हजार रुपए का नकद लाभ प्राप्त होता है, जिन्होंने प्रसव का प्रारंभिक पंजीकरण कराया है, प्रसूति जांच कराई है, बच्चे के जन्म का पंजीकरण कराया है और परिवार के पहले बच्चे के लिए टीकाकरण का पहला चक्र पूरा किया है। पात्र लाभार्थियों को जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई) के अन्तर्गत नकद प्रोत्साहन भी दिया जाता है। इस तरह औसत रूप में एक महिला को 6,000 रुपए मिलते हैं।

पीएमवीवाई लागू करने में देश के पांच शीर्ष राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों में मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, दादरा और नगर हवेली तथा राजस्थान हैं। ओडिशा और तेलंगाना को अब यह योजना लागू करनी है। महिला और बाल विकास मंत्रालय ने हाल में राज्य के अधिकारियों के साथ क्षेत्रीय कार्यशालाओं का आयोजन गुवाहाटी, जयपुर तथा चंडीगढ़ में किया है ताकि योजना को तेज गति से लागू किया जा सके।

योजना क्रियान्वयन की सघन निगरानी वेब आधारित सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन पीएमएमवीवाई-सीएएस के माध्यम से केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा की जाती है। विशिष्ट लाभार्थियों और उनके बैंक खातों के सत्यापन के लिए आवेदन का अंतरसंचालन यूआईडीएआई और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) से किया जाता है।

यह योजना 100 प्रतिशत स्थानीय सरकार निर्देशिका (एलजीडी) परिपालन योजना है और एक प्लेटफार्म- पीएमएमवीवाई-सीएएस पर सभी गांवों/शहरों/नगरों का एकसमान मास्टर डाटा होता है। इन विशेषताओं से योजना को त्वरित रूप में लागू करने में मदद मिली है और लाभों का दोहरीकरण समाप्त हुआ है। ■

वरिष्ठ वकील राम जेठमलानी का निधन

वरिष्ठ वकील एवं राज्यसभा सांसद श्री राम जेठमलानी का 95 साल की उम्र में 8 सितंबर को निधन हो गया। केंद्रीय गृह मंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने शोक संदेश जारी कर कहा कि भारत के सुविख्यात अधिवक्ता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री राम जेठमलानी के निधन से अत्यंत आहत हूं। उनके निधन से हमने न केवल एक प्रतिष्ठित अधिवक्ता, बल्कि एक महान और जिंदादिल इंसान भी खोया है।

श्री राम जेठमलानी अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में केंद्रीय कानून मंत्री और शहरी विकास मंत्री भी रहे। साल 2010 में उन्हें सुप्रीम कोर्ट बार असोसिएशन का अध्यक्ष भी चुना गया था। एक वकील होने के नाते राम जेठमलानी ने देश के कई बहुचर्चित केस भी लड़े हैं। राम जेठमलानी ने न्यायालय और संसद दोनों में समृद्ध योगदान दिया है। उनकी प्रतिभा, वाकपटुता, शक्तिशाली वकालत और कानून की समझ कानूनी पेशे में एक योग्य उदाहरण बनी रहेगी।

राम जेठमलानी जी का हमारे बीच से जाना सम्पूर्ण विधि क्षेत्र के लिए एक अपूर्णीय क्षति है। कानूनी मामलों पर उनकी अथाह जानकारी के लिए वे हमेशा याद किये जायेंगे। मैं उनके शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को चिर शान्ति प्रदान करे एवं उनके परिजनों को इस गहरे आघात को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। ॐ शांति शांति शांति! ■

ह्यूस्टन (अमेरिका) में 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड जे ट्रम्प के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

ह्यूस्टन (अमेरिका) में सीईओ के साथ एक ग्रुप फोटो में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

दिल्ली में मंगोलिया के गंडन मठ में भगवान बुद्ध की प्रतिमा का रिमोट के जरिये संयुक्त रूप से अनावरण करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मंगोलिया के राष्ट्रपति श्री खाल्टमा बटुल्गा

नव-उद्घाटित झारखंड विधान सभा भवन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और साथ में झारखंड की राज्यपाल श्रीमती द्रौपदी मुर्मू और झारखंड के मुख्यमंत्री श्री रघुबर दास

मथुरा (उत्तर प्रदेश) में पशु स्वास्थ्य मेला में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित

आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2018-20
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2018-19